वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 | अंक : 151 | मंगलवार 24 सितम्बर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

नारायण-सिंह सर्किल पर छात्राओं ने स्वच्छता के लिए किया जागरूक

"स्वच्छता पखवाड़े" के तहत की सफाई; बोलीं- स्वच्छता केवल व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं, बल्कि यह सामूहिक प्रयास

जयपुर. शाबाश इंडिया

कनोड़िया पीजी महिला महाविद्यालय, जयपुर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों और नगर निगम ग्रेटर जयपुर के सहयोग से "स्वच्छता पखवाड़े" के अंतर्गत एक विशेष पायलट प्रोजेक्ट के तहत नारायण सिंह सर्किल पर छात्राओं द्वारा स्वच्छता जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना था। इस अभियान में महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल, जयपुर नगर निगम उपायुक्त, अर्शदीप बरार, नगर निगम पार्षद जितेंद्र श्रीमाली, राष्ट्र सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आंचल पुरी सहित स्वयं सेविकाएं मौजूद रही। छात्राओं ने कार्यक्रम में सक्रियता से भाग लिया। उन्होंने पोस्टर और बैनर बनाकर नागरिकों को जागरूक करने का कार्य किया। इन पोस्टर्स में स्वच्छता, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के संदेश शामिल थे, जो लोगों को प्रेरित करने के लिए बनाए गए थे। छात्राओं ने सर्किल के चारों ओर घूमते हुए लोगों से बातचीत की और उन्हें स्वच्छता के महत्व के बारे में बताया। छात्राओं ने इलाके की साफ-सफाई का कार्य किया। उन्होंने कचरा इकट्ठा किया और उसे सही स्थान पर फेंका, जिससे लोगों में स्वच्छता के प्रति सकारात्मक संदेश गया। प्राचार्य डॉ. सीमा अग्रवाल ने कहा कि स्वच्छता केवल एक व्यक्तिगत जिम्मेदारी नहीं, बल्कि यह एक सामूहिक प्रयास है। ऐसे पायलट प्रोजेक्ट्स को अन्य क्षेत्रों में भी लागू किया जाएगा। इस तरह के प्रयासों से नागरिकों को जागरूक करना और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ाना संभव होगा।

प्रोफेसर संजीव शर्मा आईएएसटीएएम अवॉर्ड से सम्मानित

शल्य तंत्र चिकित्सा में उत्कृष्ट कार्य करने पर मिला सम्मान

जयपुर. कासं

इंडियन एसोसिएशन फॉर द स्टडी ऑफ ट्रेडिशनल एशियन मेडिसिन द्वारा पुणे में आयोजित इंटरनेशनल कांफ्रेंस में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर के कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा को अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया। पुणे में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में आयुर्वेद चिकित्सा के शल्य तंत्र में उत्कृष्ट कार्य करने पर कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा को जुगताराम वैद्य IASTAM अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा ने कहा की यह सम्मान मेरे साथ आयुर्वेद चिकित्सा से जुड़े सभी चिकित्सकों और राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति का सम्मान है। यह सम्मान हमें आयुर्वेद के क्षेत्र में अपनी मेहनत, लगन और कार्य कुशलता के साथ आमजन की चिकित्सा ओर सेवा करने की प्रेरणा देते हैं। चिकित्सा से जुड़े सभी व्यक्ति दिन-रात अपनी पूरी मेहनत ओर प्रयासों से विभिन्न रोगों के निदान के लिये लगातार रिसर्च और चिकित्सा करते हैं। आमजन की चिकित्सा और सेवा से उसके रोग का निदान होना हमारे लिए एक बहुत बड़ा सम्मान होता है। कार्यक्रम में देश और विदेश में आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिष्ठित चिकित्सकों और विद्वानों को अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया। कॉन्फ्रेंस में आयुर्वेद चिकित्सा के क्षेत्र में बढ़ती संभावनाओं, चुनौतियों और समाधान पर देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ और विद्वानों की ओर से चर्चा की गई।

अवेयरनेस प्रोग्राम ऑन जेंडर सेंसटाइजेशन आयोजित किया

स्वच्छता, सतर्कता और सुरक्षा पर स्टूडेंट्स को जानकारी दी, महिला सुरक्षा के प्रति जागरूक भी किया

जयपुर. कासं

एस.एस.जी.पारीक पी.जी. महिला महाविद्यालय, जयपुर में राजस्थान विश्वविद्यालय महिला संस्था के तत्वाधान में अवेयरनेस प्रोग्राम ऑन जेंडर सेंसटाइजेशन आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. शशि लता (अध्यक्ष, रुवा) डॉ. बीना अग्रवाल (उपाध्यक्ष, रूवा), डॉ. सुशीला चौधरी (सदस्य रुवा), महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. विजयलक्ष्मी पारीक, डॉ. एन एम शर्मा (प्राचार्य, पीजी कॉलेज) द्वारा की गई। रुवा की उपाध्यक्ष बीना अग्रवाल ने बताया कि हमारी संस्था का प्रमुख उद्देश्य महिला सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ लिंग भेद मुक्त समाज की स्थापना करना भी है। इस कार्य के प्रति हम समय-समय पर स्टूडेंट्स को कई वीडियो क्लिप और व्याख्यानों के माध्यम से सजग कर उनकी समस्याओं का समाधान करते हैं। डॉ. सुशीला चौधरी ने कहा कि हम सभी को साइबर अटैक से सतर्क रहना चाहिए और मोबाइल का प्रयोग जरूरत पड़ने पर ही करें, साथ ही उन्होंने बताया कि साइबर अटैक से संबंधित अपनी समस्याओं को वेबसाइट पर दर्ज कर समाधान प्राप्त कर सकते हैं। अध्यक्ष डॉ. शशि लता पुरी ने उपस्थित सभी को बताया कि रूवा द्वारा संचालित महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र में महिला उत्पीड़न से संबंधित समस्याओं एवं शिकायतों का निराकरण कर निशुल्क परामर्श दिया जाता है। कार्यक्रम के अंत में महाविद्यालय की प्रिंसिपल ने इस अमूल्य जानकारी को प्रदान करने के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

काठमांडू जैन मन्दिर में दसलक्षण पर्व में दसलक्षण महामंडल विधान हर्षोउल्लास एवम भक्ति भाव के साथ हुआ संपन्न

काठमांडू, नेपाल. शाबाश इंडिया

श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर काठमांडू में पीठाधीश स्वस्ति श्री सुरेन्द्र कीर्ति स्वामी जी के सानिध्य में दस लक्षण महापर्व बड़े ही धूम धाम से मनाए गए। श्री 1008 आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर कमेटी व सामुहिक जिनेन्द्र आराधना नेपाल शाखा के अध्यक्ष सुभाष जैन सेठी ने बताया कि प्रातः काल में श्री जी के अभिषेक, शांतिधारा, नित्य पूजन के बाद संगीत मय दस लक्षण विधान मंडल की पूजा भव्य रूप से संपन्न की गई। मन्दिर कमेटी के अध्यक्ष सेठी के अनुसार सायःकाल में भव्य रूप से महा आरती का आयोजन होता था। आरती पश्चात प्रखर वक्ता, वाणी भूषण स्वस्ति श्री सुरेन्द्र कीर्ति स्वामी द्वारा दस धर्म के ऊपर शास्त्र प्रवचन बड़े ही सुन्दर रुप से दिए जाते थे। बाद में प्रशन मंच व भक्तिमय संगीत का आयोजन होता था जिसमे जैन समाज की बड़ी संख्या में सहभागिता रही व सभी ने उमंग व उत्साह के साथ सभी क्रियाओं में बड़ चढ़कर के भाग लिया। उत्तम सयम धर्म के दिन संध्या काल में 48 दीपकों से भक्तामर की अर्चना की गई। महासचिव राजेश जैन ने बताया कि पूरे मन्दिर प्रागण क्षेत्र को विशेष सजावट रोशनी से प्रकाश मय किया गया। दसलक्षण महा मण्डल विधान के सोधर्म इन्द्र बनने का सौभाग्य प्रभुदयाल संतोष देवी काला व ध्वजा रोहण करने का सोभाग्य पवन चन्दा देवी गोधा परिवार को प्राप्त हुआ। विधान पूजा में महावीर प्रसाद काला रांची द्वारा दोहों के साथ भजनों की शानदार प्रस्तुति दी जाती थी। रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान संगीत कलाकार सिंगर नरहरी प्रेमी व रितु कंडेल द्वारा शानदार भजनों की प्रस्तुति देकर सभी को मंत्र मुग्ध किया। अनंत चतुर्दशी के दिन वासुपूज्य भगवान के निर्वाण के पावन अवसर पर मन्दिर जी में लडडू चढ़ाया गया, मन्दिर प्रागण जयकारों से गुजायमान रहा, व सभी कार्यकर्म संगीत के माध्यम से पूरे भक्ति भाव से उत्साह व उमंग के साथ संपन्न किए गए।

अभिषेक जैन लुहाड़िया रामगंजमंडी की रिपोर्ट

विद्वत संगोष्ठी, स्नातक सम्मेलन के साथ मनाई वर्णी जयंती

जन्मभूमि पर वर्णी स्मारक का लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न

मनीष विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

सागर। श्री गणेश प्रसाद वर्णी की 151वीं जन्म जयंती कार्यक्रम वर्णी भवन मोराजी में अनेक कार्यक्रमों के साथ मनाई गई। सुबह से प्रभात फेरी, ध्वजारोहण एवं वर्णी जी की प्रतिमा के समक्ष विनयांजलि सभा एवं दोपहर 1 बजे से विद्वत संगोष्ठी एवं स्नातक सम्मेलन जिसमें संस्कृत महाविद्यालय मोराजी से स्नातक रहे, छात्रों का सम्मेलन एवं अनेक ख्याति प्राप्त विद्वानों का समागम मोराजी में हुआ। श्री संस्कृत दिगंबर जैन महाविद्यालय की स्थापना 1908 में पू. वर्णी जी के द्वारा हुई थी। शताधिक विद्वानों की उपस्थिति में मंगलाचरण दीपप्रज्वलन चित्रनावरण के साथ मंचासीन सारस्वत विद्वान डॉ. भागचंद जी भास्कर नागपुर, डां हरिशचंद्र जैन मुरैना, पंडित जीवंधर जी जबलपुर पं. जयंत शास्त्री सीकर, प. ज्ञानचंद जी व्याकरणचार्य, पं. विजय शास्त्री सागर मंचासीन रहे। वर्णी संस्थान विकास सभा के पदाधिकारीयों द्वारा सभी विद्वानों का सम्मान माला अंग वस्त्र, वैग, स्मृति चिन्ह के द्वारा किया गया। पूज्य गणेश प्रसाद जी वर्णी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व विषय पर विद्वानों ने अपने लेख का वाचन किया। इसके बाद डॉ हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के डॉ. पंकज तिवारी, प्रो. अभय सिंघई, डॉ. संजीव सराफ के निर्देशन में बनाई गई वर्णी डॉक्युमेंट्री सोशल मीडिया के माध्यम से सभी तक भेजने का प्रयास किया गया जिसका लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हूआ। मनीष विद्यार्थी के संपादन में प्रकाशित वर्णी विशेषांक का विमोचन मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन मुख्य संयोजक चंद्रेश शास्त्री ने किया। आभार संजय शास्त्री ने माना। शाम 7 वजे भाग्योदय तीर्थ मैं सभी विद्वानों ने निर्यापक मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया साथ ही शंका समाधान कार्यक्रम में प्रश्न करने का अवसर भी प्राप्त हुआ। द्वितीय दिवस सुबह 10 वजे पूज्य वर्णी जी की जन्मस्थली हंसेरा मड़ावरा मैं नवनिर्मित स्मारक का लोकार्पण कार्यक्रम पं.देवेंद्र शास्त्री सोरई के निर्देशन में संपन्न हुआ, साथ ही मूर्ति लोकार्पण सभी विद्वान,श्रेष्टि एवं ग्राम वासियों की उपस्थिति में किया गया। सभी ग्राम वासियों ने

वर्णी जी की आरती की। समिति द्वारा मिष्ठान वितरण किया गया एवं ग्राम पंचायत के वरिष्ठ लोगों का सम्मान किया गया। मनीष विद्यार्थी ने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में किए गए वर्णी जी द्वारा कार्य को देखते हुए वर्णी स्मारक में बाल संस्कार केंद्र की शुरूआत होगी। जिसमें ग्रांव के बच्चों को प्राथमिक शिक्षा दी जाएगी। संस्थान द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया। दोपहर 2 वजे से आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परम शिष्य मुनि श्री अक्षय सागर जी महाराज के संसघ सानिध्य मैं विद्या वाटिका मड़ावरा मैं वर्णी व्यक्तित्व पर परिचर्चा गोष्ठी का द्वितीय सत्र रखा गया, जिसमें उपस्थित सकल दिगंबर जैन समाज मड़ावरा द्वारा उपस्थित विद्वानों का सम्मान किया गया मंगलाचरण कु. रूपल जैन द्वारा किया गया चित्र अनावरण एवं दीपप्रज्वलन श्रेणिक विनय मलैया ,अरुण सिंघई प्राचार्य पी.सी. जैन हीरालाल जैन डी राकेश जैन, डॉ. राकेश जैन, राजू सोंरिया मड़ावरा जबलपुर जिनेश कोठिया दिल्ली एवं उपस्थित विद्वानों द्वारा किया गया। उपस्थित श्रेष्ठी एवं विद्वानों ने वर्णी जी के व्यक्तित्व पर अपने विचार रखें। संचालन चंद्रेश शास्त्री ने किया आभार कार्यक्रम संयोजक राजकुमार जैन कर्द ने माना कार्यक्रम के अंत में मुनिश्री ने वर्णी जी के जीवन चित्रण को आचार्य श्री विद्यासागर जी की जुवानी में सुनाऐं एवं उनके व्यक्तित्व के संस्मरण सुनाऐं, इनसे लोगों को शिक्षा लेने की बात कही। कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे त्रिलोक शास्त्री बड़ागांव, राजेंद्र जैन दलपतपुर, संजय शास्त्री, कैलाश जैन, कडोरी लाल वण्डा, डी. के सराफ, सनत जैन राजकुमार शास्त्री नेहानगर, अजित जलज टीकमगढ़, सुरेश शास्त्री रामपुरा, कमलेश जेरा आदि।

जयपुर से श्री महावीर जी की 38 वीं पदयात्रा 27 सितम्बर को, जयपुर से रवाना होगी

जयपुर. शाबाश इंडिया

भगवान महावीर के 2550 वें निर्वाणोत्सव वर्ष में भगवान महावीर के सिद्धांत जीओ और जीने दो सहित विश्व शांति का संदेश देने, अहिंसा, शाकाहार का प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ, जयपुर के तत्वावधान में जयपुर से श्री महावीर जी की 38 वीं पदयात्रा संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन एवं पदयात्रा के संयोजक भाग चन्द गोधा के नेतृत्व में शुक्रवार 27 सितम्बर को आगरा रोड पर खानिया स्थित संगही जी की नसिया से रवाना होगी। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक पदयात्रा शुक्रवार 27 सितम्बर को दोपहर 3.00 बजे रवाना होगी। संरक्षक सुभाष चन्द जैन के मुताबिक पदयात्रा मार्ग में विभिन्न धार्मिक आयोजन किये जायेंगे। पदयात्रा में महिलाएं भी शामिल होगी। प्रचार संयोजक विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि पदयात्रा 28 सितम्बर को मोहनपुरा,29 सितम्बर को दौसा,30 सितम्बर को सिकन्दरा,01 अक्टूबर को गुढ़ाचंद्रजी,नादौती होते हुए बुधवार,02 अक्टूबर को श्री महावीर जी पहुंचेगी । जहां विशाल जूलूस के साथ पदयात्री भगवान महावीर के सामूहिक दर्शन करेंगे। दोपहर 2.00 बजे पदयात्री सम्मान समारोह होगा। सायंकाल महाआरती एवं भक्ति संध्या का आयोजन किया जाएगा। संयोजक भाग चन्द गोधा ने बताया कि गुरुवार, 03 अक्टूबर को प्रातः संगीतमय शांति विधान पूजा का आयोजन किया जाएगा। दोपहर 1.00 बजे पदयात्री बसों द्वारा जयपुर के लिए रवाना होंगे। पदयात्रा समापन पर श्री महावीरजी से जयपुर आने के लिए संघ की ओर से बसों की निःशुल्क व्यवस्था रहेगी। जैन के मुताबिक पदयात्रा के दौरान धार्मिक प्रश्न मंच, कवि सम्मेलन, मेरा भारत महान हाऊजी, धार्मिक ज्ञान प्रकाश

प्रतियोगिता आदि विशेष आयोजन किए जाएंगे। संरक्षक सुभाष चन्द जैन के मुताबिक पदयात्रा के लिए ब्रह्मपुरी निवासी भाग चन्द गोधा को संयोजक तथा सुशील जैन ,महेश जैन, दिनेश पाटनी,सोभाग मल जैन, श्रीमती कुसुम सेठी, राजेश शाह, मोना जैन, सुमित जैन को जयपुर महानगर से सह संयोजक बनाया गया है। इसी तरह से क्षेत्रीय सह संयोजक जितेन्द्र गंगवाल (जोबनेर), मुकेश पाटनी (चौमूं),अंकित जैन (बगरुं), नितेश जैन (अजमेर), विक्रम जैन (खोराबीसल), एवं शैफाली काला (धौंद), विमल जैन (धूंधडी) एवं सतीश जैन (खाटू श्याम जी) को बनाया गया है। संयोजक भाग चन्द गोधा ने बताया कि पदयात्रा के लिए संघ की ओर से जयपुर के विभिन्न दिगम्बर जैन मंदिरों सहित आसपास के गांवों -कस्बों में लगातार जनसम्पर्क किया जा रहा है।

वेद ज्ञान

संसार परिवर्तनशील है

यह संसार परिवर्तनशील है। इस संसार में कोई किसी का नहीं है। आप स्वयं में अकेले थे, हैं, और रहेंगे। जगत में संबंध बनते, बिगड़ते रहते हैं। स्मरण करें, जब आप प्रथम बार विद्यालय गए थे। दाखिला लेने के बाद उस विद्यालय में कितने लोगों से संयोग बना। कालांतर में धीरे-धीरे आगे बढ़ते गए, नए-नए संबंध बनने लगे और पुराने टूटते गए। जगत में रहते हुए संयोग बनते ही रहते हैं और बिगड़ते भी जाते हैं। जब संयोग बना, तब भी आप थे और जब वियोग हुआ, तब भी आप ही स्वयं थे, उसमें कोई परिवर्तन नहीं हुआ। आप वहीं के वहीं रहे। आपका अस्तित्व किसी के साथ संबंध बनने व समाप्त हो जाने के अधीन नहीं है। संयोग बनना व वियोग होना तो सांसारिक प्रपंच मात्र है। हां, संसार में जीवित रहने पर लोगों से संबंध बनते अवश्य हैं, परंतु यह संदेह रहित है कि सत्यस्वरूप आप अकेले थे और अकेले ही रहेंगे। मनुष्य का पारिवारिक संबंध जिसे अति आत्मीय व रक्त का संबंध कहा जाता है, जो सांसारिक दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण व सशक्त माना जाता है, ये संबंध भी स्थाई नहीं हैं। इस सत्यता का प्रकटीकरण तभी हो पाता है, जब कोई सबसे निकटतम प्रियजन जिससे कोई मनुष्य अतिस्नेह करता हो, जिसे अपना कहते-कहते उसकी जीभ थकती नहीं, जब वह इस संसार से विदा हो जाता है, तब उस मनुष्य के मस्तिष्क को जोरदार झटका लगता है और यह सच्चाई प्रकट हो जाती है कि इस जगत में कोई किसी का नहीं है। सभी इस जीवन के मार्ग में सफर करते हुए यात्री मात्र हैं। तभी वह सोते से जागता है। ढका हुआ सत्य पूर्ण रूप से प्रकट होकर सामने आ जाता है। वह ठहरकर सोचने लगता है कि अरे मैंने तो सोचा था कि संसार से विदा हो जाने वाले से हमारा कभी संबंध विच्छेद होगा ही नहीं, यह केवल मेरा मिथ्या भ्रम ही था। इस सांसारिक जीवन यात्रा में लोग बदलते हैं, समाज बदलता है और दुनिया बदलती है, मनुष्य का समय व आयु भी परिवर्तित हो जाती है, परंतु सत्य स्वरूप आप स्वयं के स्वयं ही रहते हो।

संपादकीय

'फर्जी और भ्रामक'' सूचनाओं का दौर

करीब छह महीने पहले केंद्र सरकार ने जब 'फैक्ट चेक यूनिट' यानी तथ्य जांच इकाई के गठन संबंधी अधिसूचना जारी की थी, तभी से इस पर विवाद है। मगर इसे लेकर उभरी असहमतियां और उठे सवालों के बावजूद सरकार शायद इस ओर धीरे-धीरे कदम बढ़ा रही थी। अब इस मसले पर बंबई हाईकोर्ट के फैसले के बाद सरकार के लिए अपने पक्ष को निर्विवाद बताना मुश्किल होगा। बंबई हाईकोर्ट ने सूचना प्रौद्योगिकी संशोधन अधिनियम, 2023 को असंवैधानिक करार देते हुए रद्द कर दिया और इसे भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 का उल्लंघन बताया। गौरतलब है कि सूचना प्रौद्योगिकी यानी आइटी नियमों में किए गए संशोधनों के जरिए केंद्र सरकार को सोशल मीडिया मंचों पर अपने कामकाज के बारे में 'फर्जी और भ्रामक'' सूचनाओं की पहचान करने और उन्हें खारिज करने या झूठा घोषित करने के मकसद से तथ्य जांच इकाई बनाने की इजाजत दी गई थी। इस इकाई को सोशल मीडिया पर केंद्र सरकार और उसकी एजंसियों को लेकर दी गई जानकारियों को चिह्नित करने की शक्ति भी दी गई थी। इसके तहत यह इकाई अगर फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और एक्स जैसे सोशल मीडिया मंचों पर किसी जानकारी को झूठी बताती, तो वे कंपनियां वह सूचना या टिप्पणी हटाने के लिए कानूनी रूप से बाध्य होतीं या उस पर अपने मंच की ओर से अस्वीकरण जोड़ना होता। प्रथम दृष्टया यह कवायद गलत सूचना या जानकारी को दुरुस्त करने या उस पर लगाम लगाने की कोशिश लगती है, मगर इसका सिरा कहां तक जाएगा, यह तय करना मुश्किल है। अगर कभी ऐसे नियम लागू होते हैं तो इस बात की क्या गारंटी है कि सरकार की तथ्य जांच इकाई जिन जानकारियों को फर्जी, भ्रामक या झूठी बताएगी और वह किसी तथ्य की मनमानी व्याख्या नहीं होगी और किसी खास टिप्पणी या जानकारी का चुनाव अपनी सुविधा के मुताबिक या सरकार की छवि बचाने के लिए नहीं होगा! अगर किन्हीं स्थितियों में ऐसा होता है, तो क्या इससे किसी व्यक्ति के अभिव्यक्ति के संवैधानिक अधिकार बाधित नहीं होंगे? इन्हीं आशंकाओं के मद्देनजर बंबई हाईकोर्ट ने कहा कि इन नियमों ने संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन किया है। हालांकि इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने इस वर्ष मार्च में इस इकाई के गठन से संबंधित केंद्र सरकार की अधिसूचना पर इस वजह से रोक लगा दी थी कि इसकी सुनवाई बंबई हाईकोर्ट में चल रही थी। शीर्ष अदालत ने तब कहा था कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मौलिक अधिकार है और इस पर नियम के असर का विश्लेषण बंबई हाईकोर्ट में जरूरी है। अब बंबई हाईकोर्ट ने एक तरह से स्थिति स्पष्ट कर दी है। सवाल है कि अगर तथ्यों की जांच के नाम पर किसी अन्य पक्ष की ओर से किए गए विश्लेषण या दी गई जानकारी को खुद किसी सरकारी एजंसी की ओर से बाधित किया जाएगा, किसी की टिप्पणी को हटाया जाएगा, सोशल मीडिया पर उसका खाता बंद करा दिया जाएगा, तो ऐसी स्थिति में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की क्या जगह रह जाएगी? **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

भूराजनीतिक हित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ पिछली व्यक्तिगत बैठक और उनकी अध्यक्षता वाली क्वाड सालाना शिखर बैठक के दौरान जी 7 देशों के साथ भारत के बढ़ते तालमेल को रेखांकित किया। बाइडन का कार्यकाल आगामी जनवरी में पूरा हो जाएगा। दोनों बैठकों में चीन की बढ़ती होड़ से मुकाबला करने के रास्ते तलाशने के प्रयास किए गए। इसकी पुष्टि बाइडन द्वारा क्वाड नेताओं को दिए हॉट माइक कमेंट से भी होती है, जिसमें उन्होंने कहा था कि चीन, एशिया-प्रशांत के देशों का इम्तहान ले रहा है। इस संदर्भ में क्वाड नेताओं के साझा विलमिंग्टन घोषणापत्र में न केवल बढ़ी हुई भूराजनीतिक चिंताओं तथा उन्हें हल करने के लिए चुनिंदा पहलों को दर्शाया गया बल्कि इसमें वैश्विक सुरक्षा ढांचे के व्यापक पहलुओं पर संबंधों को गहरा बनाने का एजेंडा भी जारी रखा गया। इसमें स्वास्थ्य सहयोग से लेकर बुनियादी ढांचा क्षेत्र की संयुक्त परियोजनाएं और जलवायु परिवर्तन तक सभी पहलू शामिल थे। इनमें से कई कार्यक्रमों को 2025 में स्पष्ट आकार मिलेगा, जब भारत क्वाड शिखर बैठक की मेजबानी करेगा। इस संदर्भ में देखें तो प्रमुख परियोजनाओं में से एक है हिंद-प्रशांत में प्रशिक्षण की समुद्री पहल (मैत्री) जो 2022 की समुद्री क्षेत्र जागरूकता परियोजना पर आधारित है। यह साझेदार देशों को उनके विशिष्ट आर्थिक क्षेत्रों में गतिविधियों पर नजर रखने की सुविधा देती है। इसमें अतिक्रमण और गैरकानूनी गतिविधियां शामिल हैं। मैत्री का लक्ष्य है इन उपायों का अधिकतम इस्तेमाल करना। अगले वर्ष भारत में इसकी आरंभिक कार्यशाला आयोजित की जाएगी। मुंबई में भी क्वाड क्षेत्रीय बंदरगाह और परिवहन सम्मेलन आयोजित किया जाएगा ताकि समूह के उन प्रयासों को मजबूती दी जा सके जिनके तहत वह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बंदरगाहों का टिकाऊ और मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार करा सकता है। यह ऐसी पहल है, जिसे दक्षिण और पूर्वी चीन सागर के पड़ोसी देशों में चीन के अतिक्रमण को ध्यान में रखकर शुरू किया गया है। इससे संबंधित संयुक्त वक्तव्य को पढ़ें तो वह गंभीर चिंताओं की बात करता है। संयुक्त वक्तव्य कई अनुच्छेदों में बहुत मजबूती से चीन के सहयोगी उत्तर कोरिया के निरंतर परमाणु हथियार बनाने के प्रयासों की आलोचना करता है। दस्तावेज में सेमीकंडक्टर, कृषि शोध, साइबर सुरक्षा और अंतरिक्ष शोध आदि सभी क्षेत्रों का उल्लेख है और क्वाड सहयोग की बढ़ती सार्वभौमिक प्रकृति को रेखांकित किया गया है। दुनिया के गरीब देशों तक भारत की पहुंच को स्वीकार करते हुए वक्तव्य ने यह इरादा प्रकट किया कि वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार के जरिये उसे अधिक समावेशी बनाने का प्रयास करेगा। इसके लिए स्थायी और अस्थायी सदस्यों की संख्या बढ़ाने की बात कही गई। इरादा यह है कि अफ्रीका, एशिया, लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई देशों के प्रतिनिधित्व को सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों में स्थान दिया जाए। मोदी की यात्रा ने भारत को 14 सदस्यों वाले हिंद प्रशांत आर्थिक समृद्धि ढांचे (आईपीईएफ) के और नजदीक लाने में भी सहायता की। यह पहल क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव से निपटने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ने 2022 में की थी। क्वाड के साझेदार देशों जापान और ऑस्ट्रेलिया के उलट भारत ने 15 सदस्यीय क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक भागीदारी (आरसेप) से बाहर रहने का निश्चय किया, जबकि चीन इसका सदस्य है।

अंतरराष्ट्रीय जैन साहित्य संगम के मुंबई समारोह में पदमचंद गांधी सम्मानित

मुंबई. शाबाश इंडिया

अंतरराष्ट्रीय जैन साहित्य संगम तीन दिवसीय समारोह 20 सितंबर से 23 सितंबर 2024 तक लोढ़ा धाम नाय गांव, मुंबई में आयोजित हुआ ' लोढ़ा फाउंडेशन की चेयरपर्सन एवं महाराष्ट्र सरकार के मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा की श्राविका रत्न डॉक्टर श्रीमती मंजू मंगल प्रभात अंतर्राष्ट्रीय जैन साहित्य संगम की महासचिव के शुभ आशीर्वाद एवं सानिध्य में आयोजित किया गया।इस समारोह में मध्य प्रदेश राजस्थान गुजरात पश्चिम बंगाल महाराष्ट्र तमिलनाडु कर्नाटक राज्यों के साहित्यकारों एवं विद्वत जनों का समागम हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद साहब गहलोत, आचार्य श्री मुनी लोकेश, प्रसिद्ध योगी श्री देवेंद्र ब्रह्मचारी एवं गणमान्य श्रावकों के द्वारा किया गया ' विभिन्न सत्रों के माध्यम से विविध गतिविधियों, बहु आयामी उद्देश्यों को काव्य धारा की रस धारा को बहते हुए विद्वत गोष्ठी के माध्यम से धर्म के मर्म को समझने के लिए विद्वत जनों का उद्बोधन हुआ। राष्ट्रीय जैन साहित्य संगम मध्य प्रदेश इकाई के उपाध्यक्ष एवं राष्ट्रीय आध्यात्मिक संगोष्ठी संयोजक पदमचंद गांधी, भोपाल (जयपुर) द्वारा संचालित विद्वत गोष्ठी एवं ऑनलाइन आभासी गोष्ठियों के संचालन, उद्बोधन एवं साहित्य में उत्कृष्ट कार्यों के लिए अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर मंजू मंगल प्रभात राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीप हर्षदर्शी एवं राष्ट्रीय सचिव मनोज मनोकामना एवं उपस्थित अन्य गणमान्य सदस्यों के द्वारा सम्मानित किया गया ' क्षमा के अमृत पर उन्होंने अपने करुणामई भावों की प्रस्तुति की गई जिन से श्रोता भाव विभोर हो गए।

जैन प्रतिमा वेदिका पर हुई विराजमान

मोहित जैन चीकू ने किया महामस्तकाभिषेक एवम शांतिधारा

मनोज जैन नायक. शाबाश इंडिया

सिहोनियां/मुरैना । दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र सिहोनियां जी में विशाल एवम भव्य जिन प्रतिमा को वेदिका पर विराजमान किया गया । प्राप्त जानकारी के अनुसार अम्बाह नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष जिनेश जैन महेंद्र जैन सर्राफ परिवार की ओर से 31 फुट ऊंची 125 टन वजनी विशाल एवम भव्य जिनेंद्र प्रभु की पाषाण की खड्गासन प्रतिमा जैन तीर्थ सिहोनिया में विराजमान कराई जानी थी। आज परम पूज्य गुरुदेव युगल मुनिराज श्री शिवानंद जी महाराज एवम मुनिश्री प्रश्मानंद जी महाराज के पावन सान्निध्य में उक्त प्रतिमा जी को वेदिका पर विराजमान किया गया। प्रतिमा जी को वेदिका पर विराजमान करने से पूर्व 4 फुट के कमल को स्थापित किया गया ।प्रतिष्ठाचार्य मनोज शास्त्री अहारजी ने धार्मिक अनुष्ठान के साथ उपस्थित सभी बंधुओं और माताओं से कमल पर चांदी के स्वास्तिक रखवाएं। विशाल क्रेन द्वारा जैसे ही मूर्ति को उठाया गया, पूरा मंदिर प्रांगण भगवान शांतिनाथ जी के जयकारों से गूंज उठा ।नवनिर्मित सफेद पाषाण की प्रतिमा हवा में झूलते हुए नवीन वेदिका पर विराजमान हुई। पूज्य युगल मुनिराजों ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए जिन प्रतिमा की स्थापना एवम तीर्थ क्षेत्रों की महिमा का गुणगान करते हुए उपस्थित सभी बंधुओं को शुभाशीष प्रदान किया। वार्षिक मेला एवम महामस्तकाभिषेक के पावन अवसर पर मूलनायक भगवान शांतिनाथ जी का जलाभिषेक एवम शांतिधारा करने का सौभाग्य पटेल नगर दिल्ली निवासी चौधरी मोहित जैन चीकू को प्राप्त हुआ।इस पावन एवम पुनीत अवसर पर दिल्ली, आगरा, भिंड, ग्वालियर, अंबाह, मुरैना, धौलपुर, गोहद सहित सम्पूर्ण भारतवर्ष से हजारों की संख्या में जैन धर्मावलंबी उपस्थित थे ।उपस्थित सभी बंधुओं के लिए जैन युवा क्लब - सोनू मित्र मंडल की ओर से वात्सल्य भोज, मुरैना के युवा साथियों की ओर से स्वल्पाहार एवम अरिहंत सेवा मंडल अंबाह द्वारा शीतल जल की व्यवस्था की गई थी।

उज्जैन मुमुक्षु मंडल निर्माणाधीन तीर्थधाम मोक्षायतन देख हुए अभिभूत

12 नवम्बर से 17 नवंबर तक आयोजित होना है पंचकल्याणक

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। नगर के कोटड़ी रोड स्थित तीर्थधाम मोक्षायतन का अवलोकन उज्जैन से आए मुमुक्षु मंडल ने किया` पिड़ावा में नवम्बर माह में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव आयोजित होना है। इसी चलते पंचकल्याणक महोत्सव की पूर्व तैयारी हेतु उज्जैन से मध्यप्रदेश के उज्जैन से आये मुमुक्षु मंडल ने पंचकल्याणक महोत्सव को अति भव्य रूप से सुनियोजित तरीके से आयोजित करने पर चर्चा की। जिसमे पुरे मंडल ने पंच कल्याणक महोत्सव को तन मन धन से अति भव्य करने का संकल्प लिया। बैठक में पधारे सभी अतिथियों का पंच कल्याणक समिति द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। समिति द्वारा पंचकल्याणक महोत्सव में मंडल से अधिक से अधिक सहयोग का आह्वान किया। पंचकल्याणक महोत्सव समिति के नागेश जैन एवं राकेश जैन प्रेमी ने बताया कि नवम्बर माह में होने वाले पंचकल्याणक महोत्सव की तैयारियाँ युद्धस्तर पर चल रही है।जिसमे देश विदेश के श्रावक भाग लेंगे तथा अद्भुत क्षणों के साक्षी बनेंगे।

परम पूज्य आचार्य श्री १०८ विद्यासागर जी महाराज

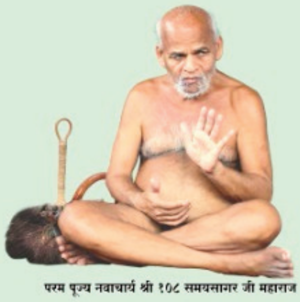

परम पूज्य नवाचार्य श्री १०८ समयसागर जी महाराज

महिला संस्कार शिविरों के जनक परम पूज्य तीर्थचक्रवर्ती जगतपूज्य

निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव 108 श्री सुधासागर जी महाराज

के पावन सान्निध्य में
ऐतिहासिक सफलताओं के साथ

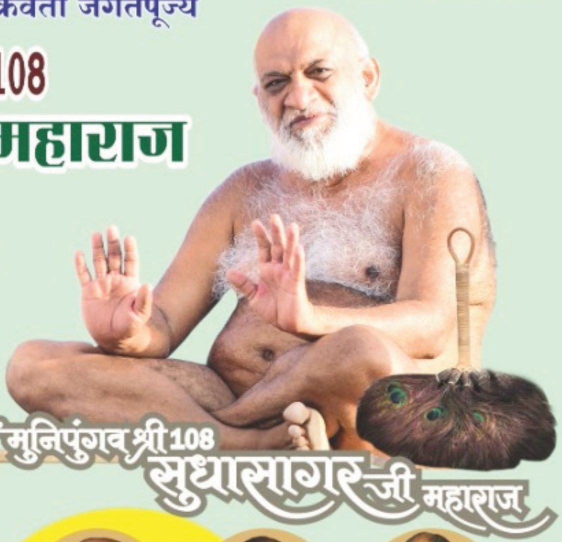

अखिल भारतीय श्रमण संस्कृति महिला महासमिति एवं श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति

29वाँ राष्ट्रीय महिला अधिवेशन

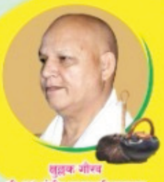

क्षुल्लक गौरव
श्री 105 गंभीर सागर जी महाराज

क्षुल्लक गौरव
श्री 105 वशिष्ठ सागर जी महाराज

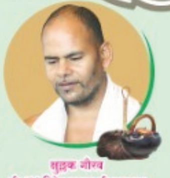

क्षुल्लक गौरव
श्री 105 विदेह सागर जी महाराज

भाग्योदय तीर्थ सागर (म.प्र.)

25-26 सितम्बर, 2024

राष्ट्रीय महिला नेतृत्व श्रीमती शीला जैन डोड्या टीम का विशेष अनुरोध :

आप सभी सदस्याएँ अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस अवसर पर गुरू आशीष से सिंचित हों।

: परम शिरोमणि संरक्षक :
वृत्ति श्राविका श्रीमती सुशीला पाटनी
मदनगंज-किशनगढ़ (राज.)

: संरक्षक :
श्रीमती शान्ता पाटनी श्रीमती तारिका पाटनी
मदनगंज-किशनगढ़ (राज.)

राष्ट्रीय अध्यक्ष	महामंत्री	कोषाध्यक्ष	युवा प्रकोष्ठ मंत्री	महिला प्रकोष्ठ मंत्री
शीला जैन डोड्या जयपुर	श्रीमती इन्दु गाँधी अशोक नगर	डॉ. वन्दना जैन जयपुर	डॉ. ममता जैन पुणे	मधु शाह कोटा

संयोजक श्रीमती शालिनी बाकलीवाल • श्रीमती संगीता सौगानी • श्रीमती डिम्पल गदिया
श्रीमती ममता गंगवाल • श्रीमती रेखा 'अहिंसा' • श्रीमती मधु पाटनी

सह-संयोजक : श्रीमती रानू कर्रापुर, श्रीमती प्रीति पाली, श्रीमती साक्षी सराफ, श्रीमती सोभना जैन, श्रीमती मीना चश्मा, श्रीमती सुषमा चौधरी, श्रीमती कान्ता जैन, श्रीमती प्रीति जैन, श्रीमती सुनीता नायक, श्रीमती सपना जैन, श्रीमती ज्योति बम्हौरी, श्रीमती रीता मोदी, श्रीमती कल्पना जैन

वात्सल्य सत्कार : बाहर से पधारने वाले महानुभावों हेतु आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था है।

विद्या सुधामृत सामाजिक कल्याणक समिति, सागर (म.प्र.)

सुरेन्द्र जैन (सद्दू)	राजकुमार जैन मिड्ढी	राजेश जैन एडीना	राजेन्द्र जैन केसली	ऋषभ जैन बादरी	सुरेन्द्र जैन डबडेरा	आशीष जैन पटना
अध्यक्ष	महामंत्री	अध्यक्ष	गौरव अध्यक्ष	मुख्य संयोजक	कोषाध्यक्ष	स्वागत अध्यक्ष
93029-12981	94605-67981	93029-12981	94251-71451	93029-10021	98262-93384	94251-72301

सकल दिगंबर जैन समाज मुरलीपुरा ने मनाया क्षमावाणी स्नेह मिलन एवं सहभोज समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया

सितंबर माह में दशलक्षण महापर्व के समापन पश्चात सकल दिगंबर जैन समाज मुरलीपुरा द्वारा रविवार, 22 सितंबर को बालाजी मैरिज गार्डन, माताजी मंदिर रोड़, केडिया पैलेस, मुरलीपुरा में सायं 4:30 बजे से रात्रि 10 बजे तक क्षमावाणी स्नेह मिलन समारोह एवं सहभोज कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंदिर कार्यकारिणी के महामंत्री नीरज जैन ने बताया कि कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन में गोठ आयोजन समिति के पंकज जैन, आशीष जैन, अमित जैन नासिरदा, रिषभ छाबड़ा, सुभाष बाकलीवाल ने उल्लेखनीय योगदान दिया। सभी के अथक प्रयासों से कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के जैन बंधु उपस्थित रहे एवं सभी ने सायं 5 बजे से सूर्यास्त पूर्वतक स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। भोजन के पश्चात विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं बंपर हाऊजी का आयोजन किया गया, सांस्कृतिक कार्यक्रम के प्रतिभागियों को विमल रीतू लुहाड़िया द्वारा एवं तंबोला के

विजेताओं को सुरेश चंद जैन, नीरज जैन, रेखा जैन अलवर वालों द्वारा पुरस्कृत किया गया। दशलक्षण पर्व के दौरान दस धर्म पर प्रवचन देने वाले श्री महावीर पाठशाला मुरलीपुरा के बच्चों को सुनील कुमार पंकज कुमार जैन द्वारा एवं विभिन्न धार्मिक, सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने वाले पाठशाला के बाकी सभी बच्चों को अनिल गरिमा सौगानी द्वारा पुरस्कृत किया गया, कार्यक्रम के दौरान पाठशाला का वार्षिकोत्सव भी मनाया गया। कार्यक्रम के आखिर में सभी के समक्ष 6 मेगा लकी ड्रॉ निकाले गए, उसमे भाग्यशाली विजेताओं को शानदार गिफ्ट दिए गए, साथ ही भादवा माह में एक माह, दसलक्षण जी एवं तेला के उपवास करने वाले त्यागी व्रतियों का सम्मान मंदिर कार्यकारिणी, श्री महावीर महिला मंडल मुरलीपुरा द्वारा किया गया।

भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी को इक्कीस लाख का चेक भेट किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्याम नगर दिगंबर जैन समाज के द्वारा इक्कीस लाख रुपए की राशि अनन्त चतुर्दशी को शाश्वत तीर्थ श्री सम्मेदशिखर जी को समर्पित की गई थी। उस राशि का चैक भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी राजस्थान अंचल के अध्यक्ष राजकुमार कोठारी, महेश काला, सुभाष चंद जैन पांड्या, अशोक जैन नेता आदि पदाधिकारीयो को श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर,वशिष्ठ मार्ग मे सुपर्द किया गया। इस अवसर पर श्याम नगर समाज के सुरेश सबलावत, प्रदीप जैन निखार फैशन आदि अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित थे। तीर्थक्षेत्र कमेटी के राजस्थान अंचल अध्यक्ष राजकुमार कोठारी तथा उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने उस राशि को स्वीकार कर श्याम नगर दिगंबर जैन समाज को साधुवाद ज्ञापित किया। **संयोजकः सकल दिगम्बर जैन समाज श्याम नगर जयपुर।**

राजकीय विद्यालयों में स्वच्छता पखवाड़ा का सफलतापूर्वक आयोजन

बालेसर. शाबाश इंडिया

बालेसर ब्लॉक के शिक्षा विभाग एवं भारती एयरटेल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में क्वालिटी सपोर्ट कार्यक्रम के अंतर्गत राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय धर्मादिया बेरा, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नया बेरा, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जियाबेरी, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुई इंदा एवं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय निम्बो का गाँव में स्वच्छता पखवाड़ा, इस दौरान विद्यालयों में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को स्वच्छता के महत्व के प्रति जागरूक करना है। सकारात्मक मनोवृति एवं विद्यार्थियों को स्वच्छता के महत्व पर निबंध लिखने के लिए प्रेरित किया जाता है। इससे वे अपनी सोच को व्यक्त कर सकते हैं और स्वच्छता के प्रति जागरूक हो सकते हैं। बच्चे स्वच्छता से संबंधित चित्र बनाते हैं, ये चित्र स्वच्छता के संदेश को फैलाने में मदद करते हैं, जैसे कूड़ा न फेंकना और स्वच्छता बनाए रखना। छात्रों को प्रेरणादायक नारे लिखने के लिए कहा गया, जो स्वच्छता को प्रोत्साहित करते हैं। जैसेः ''स्वच्छता का संकल्प, स्वस्थ जीवन का रास्ता।'' ''सफाई है जिम्मेदारी, सब मिलकर करें तैयारी।'' विद्यार्थियों को इस इस विचार से अवगत कराया गया कि व्यक्तिगत स्वच्छता क्यों जरूरी है, उनको इसके बारे में विस्तृत तौर से समझाया गया कि दैनिक जीवन में व्यक्तिगत स्वच्छता की क्या आवश्यकता है। प्रधानाचार्य द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत, छात्रों द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों में भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

महाकवि जयशंकर प्रसाद और मुंशी प्रेमचंद "हिंदी साहित्य के दो मित्रवत स्तंभ" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

वाराणसी, सारनाथ. शाबाश इंडिया

केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान सारनाथ, वाराणसी के सभागार में महाकवि जयशंकर प्रसाद और मुंशी प्रेमचंद ''हिंदी साहित्य के दो मित्रवत स्तंभ'' विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन रविवार को संपन्न हुआ। उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के कुलपति ने दीप प्रज्वलित कर सत्र का शुभारंभ किया। संगोष्ठी की संयोजिका डॉ. कविता प्रसाद ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। प्रथम दिवस उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो रामेश्वर राय ने कहा कि साहित्यकार का काम समाज की स्थापनाओं को स्वीकार करना नहीं है बल्कि विचारों से टकराना है। दृष्टि और आकांक्षा दोनों मिलकर जीवन दर्शन का निर्माण करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रसाद भाव के स्तर पर संपूर्ण भारतीय वांग्मय परंपरा के आधार पर साहित्य का सर्जन करते हैं, वहीं प्रेमचंद जीवन के सत्य को अपने साहित्य में उकेरते हैं अर्थात समाज के जिस नग्न यथार्थ उन्होंने आंखों से देखा था, उसको ही उन्होंने अपने साहित्य में उकेरा। विषय वस्तु को रेखांकित करते हुए प्रो राम सुधार सिंह ने कहा कि प्रेमचंद और जयशंकर प्रसाद की रचनाओं में गुलामी की दास्तां से मुक्ति का सवाल खड़ा होता है। उनका साहित्य मानवता की दृष्टि एवं समानता के सवालों को भी सामने रखता है। उनकी रचनाएं मानवता की विजय का स्रोत है। कुल सचिव डॉ सुनीता चंद्रा ने कहा कि प्रसाद की रचनाओं में जहां इतिहास और संस्कृति को आधार बनाकर वसुधैव कुटुंबकम की कामना है, वहीं प्रेमचंद की रचनाओं में समाज की सच्चाई को आधार बनाया गया है, जिसमें नारी, किसान, मजदूर और सर्वहारा समाज है। वह सामाजिक समरसता के हिमायती हैं। अध्यक्षता करते हुए संस्थान के कुलपति प्रो वांगचुक डी नेगी ने कहा कि प्रसाद की रचनाओं में बौद्ध दर्शन का प्रभाव दिखता है। इसीलिए उनकी रचनाओं में विश्व कल्याण, अहिंसा, करुणा, मानवता, दया और राष्ट्रीय चेतना है। उनका मानना था कि विश्व में शांति युद्ध से नहीं बल्कि बुद्ध से अहिंसा और प्रेम से ही स्थापित किया जा सकता है जबकि प्रेमचंद की रचनाओं में एक अलग तरह की बेचैनी व छटपटाहट है। दोनों रचनाकारों का उद्देश्य एक ही है लेकिन रास्ते अलग-अलग हैं। डॉ प्रवीण कुमार ने कहा कि प्रेमचंद तथा जयशंकर प्रसाद मनुष्य के दायित्व बोध के रचनाकार है। डॉ सुमन जैन ने कहा कि इन दोनों रचनाकारों के साहित्य का आजादी के आंदोलन और नवजागरण में अहम भूमिका रही। आकाशवाणी एवं दूरदर्शन के निदेशक राजेश गौतम ने कहा कि जयशंकर प्रसाद का संपूर्ण साहित्य भारतीय वांग्मय परंपरा का आर्ष साहित्य है। प्रो श्रद्धानंद ने कहा कि प्रसाद और प्रेमचंद का साहित्य भाषा, सामाजिक चेतना, संस्कृति,राष्ट्रीय एवं मानवीय चेतना की दृष्टि से समान है। डॉ दयानिधि मिश्र ने कहा कि प्रसाद का साहित्य सत्यम, शिवम्, सुंदरम का संदेश देने वाला है जबकि प्रेमचंद का साहित्य सामाजिक यथार्थ का साहित्य। संचालन डॉ अनुराग त्रिपाठी तथा स्वागत संबोधन डॉ सरिता प्रसाद तथा धन्यवाद ज्ञापन

अवधेश गुप्ता ने किया। संगोष्ठी के दूसरे दिन और चित्रपट शिक्षण संस्थान के कुलपति में देव प्रज्वलित कर सत्र का शुभारंभ किया। संगोष्ठी की संयोजक डॉक्टर कविता प्रसाद में सभी आगंतुकों का स्वागत किया तत्पश्चात प्रेमचंद और जयशंकर प्रसाद की जीवन पर आधारित तुलनात्मक नाट्य रूप मंचन किया गया नाटक मंचन में प्रेमचंद की प्रसिद्ध कहानी 'शतरंज के खिलाड़ी' और जयशंकर प्रसाद की कालजयी रचना 'कामायनी' का नाटकीय मंचन प्रस्तुत किया गया। साथ ही मुंशी प्रेमचंद और महाकवि जयशंकर प्रसाद के जीवन दर्शन पर आधारित तुलनात्मक रूप से दोनों साहित्यकारों के जीवन पर नाटक का सजीव मंचन किया गया। इस अवसर पर डॉ प्रशांत मौर्य, प्रो उमेश चंद्र सिंह, सुनील कुमार, राजेश कुमार मिश्रा, उप कुलसचिव डॉ हिमांशु पांडे, रवि रंजन द्विवेदी, डॉ नन्दकिशोर साह, भगवान-दास शर्मा 'प्रशांत', डॉ.विनोद मोनिका भमकार, स्नेहा वानखेडे सहित सैकड़ों छात्र-छात्राएं सहित कई शोधकताओं ने सहभागिता की।

नवजात बालिका की आहार नली बनाकर दिया जीवनदान

कोटा. शाबाश इंडिया

झालावाड़ निवासी एक दंपत्ति का एक निजी अस्पताल में बालिका का जन्म हुआ। जन्म पश्चात बालिका के मुंह से झाग बाहर आ रहे थे व उससे दूध भी नहीं पिया जा रहा था। झालावाड़ के शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ कमल गुप्ता ने तुरंत बीमारी का निदान किया व उन्हें कोटा में वरिष्ठ शिशु शल्य चिकित्सक डा समीर मेहता के पास रेफर किया ।डा समीर ने वल्लभ बाड़ी स्थित मेहता नर्सिंग होम में नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाई में उसे भर्ती किया व जाँच में पाया कि बालिका की आहार नली बंद है व पूरी नहीं बनी व आहार नली का निचला भाग श्वास नली के साथ जुड़ा हुआ है। मेडिकल भाषा में इस रोग को ईसोसोफेजियल एट्रेसिया ट्रेकियोईसोफेजियल फि स्चूला कहते हैं। इस रोग में मुंह द्वारा नलची भोजन थैली तक नहीं डाली जा सकती है। डॉ. मेहता ने तुरंत ऑपरेशन का फैसला लिया व परिजन भी बीमारी की गंभीरता समझ तैयार हो गये। मेहता नर्सिंग होम में ऑपरेशन दो घंटे चला जिसमे डा समीर के साथ निष्चेतना के डा जे पी गुप्ता का विशेष योगदान रहा ।ऑपरेशन में छाती खोल कर आहार नली को श्वास नली से अलग किया व उसकी रुकावट को हटा कर पुनः आहार नली बनाई। ऑपरेशन पश्चात एन आई सी यू में बालिका को सात दिन रखा व माँ का दूध पिलाना शुरू कर दिया ।डा समीर ने बताया कि बालिका को जन्म के दिन ही झालावाड़ से तुरंत रेफर कर दिया गया जिससे उसके निमोनिया नहीं हुआ व जटिल ऑपरेशन सफल हो पाया ।यह रोग 3500 जन्म में से एक में पाया जाता है लेकिन समय रहते सही स्थान पर रेफर ना होने के कारण अधिकांश मरीज दम तोड़ देते हैं।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

श्रीमती ऊषा सेठी कान्फ्रेंस हाल का हुआ उद्घाटन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन संस्कृत शिक्षा समिति, जयपुर द्वारा संचालित श्री दिगंबर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, सांगानेर में नवनिर्मित श्रीमती उषा सेठी कॉन्फ्रेंस हॉल का उद्घाटन समारोह संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन कर मंगलाचरण से की गई। संस्था के अध्यक्ष नरेश कुमार सेठी (सेवानिव्रत आईएएस) एवं मंत्री महेश चंद जैन चांदवाड़ ने कांफ्रेंस हॉल निर्माण के मुख्य दातार कांति कुमार सेठी और उनके सुपुत्र पंकज सेठी को शाल उड़ाकर सम्मानित किया। मंच पर कार्यकारिणी के अन्य सदस्य प्रमोद पहाड़िया उपाध्यक्ष, अनिल जैन पाटनी कोषाध्यक्ष, कमल जैन संयुक्त मंत्री, जस्टिस एनके जैन, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर अनिल कुमार जैन, आदिनाथ पब्लिक स्कूल की प्राचार्य डॉक्टर पवन शर्मा भी उपस्थित रहे। सुप्रसिद्ध कथक नृत्यांगना मंजरी किरण एवं उनके शिष्या अदिति शर्मा ने अपनी सुंदर प्रस्तुति दी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर अनिल कुमार जैन ने धन्यवाद ज्ञापन किया। मंच संचालन जैन दर्शन के शहर आचार्य अनिल जैन ने किया। सहभोज के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

रॉयल मित्र मंडल के अध्यक्ष दीपक सेठी के 50वें जन्म दिवस को सेवा कार्य के रूप में मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया। रॉयल मित्र मंडल के अध्यक्ष दीपक सेठी के 50वें जन्म दिवस को सेवा कार्य के रूप में मनाया गया इस विशेष अवसर पर रॉयल ग्रुप के सेक्रेटरी नरेश जैन मेड़ता ने बताया कि कैसे इस दिन को खास और यादगार बनाने का प्रयास किया गया। प्रातःकाल भगवान के अभिषेक से शुरूआत हुई, जिसमें सभी ने मिलकर पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद प्राप्त किया।इसके बाद, गायों के प्रति अपने स्नेह और सेवा भावना को दशार्ते हुए, गौशाला में गायों को चारा एवं लापसी खिलाई गई। यह एक अत्यंत पवित्र और आनंदमय अनुभव था, जिसने सभी के दिलों को छू लिया। सिर्फ इतना ही नहीं, रॉयल ग्रुप ने अस्पताल में जाकर मरीजों को फल और फ्रूट वितरण किए। यह कदम न केवल मरीजों के चेहरों पर मुस्कान लाया, बल्कि उन्हें जीवन में एक नई ऊर्जा भी प्रदान की। रॉयल क्लब के संरक्षक सुरेंद्र पाटनी और पारसमल छाबड़ा ने इस महत्वपूर्ण दिन को और भी खास बना दिया। इन सभी कार्यों ने यह साबित किया कि सेवा और समर्पण ही सच्ची खुशी का मार्ग है उपाध्यक्ष संजय पाटनी लाडनूं अमित ठौलिया जॉइन सेक्रेटरी प्रशांत सेठी ने जन्म दिवस की शुभकामनाएं दी।

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन चेत्यालय बापू नगर में सामूहिक क्षमावणी व गोठ संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन चेत्यालय बापू नगर में भाद्रप्रद माह व दशलक्षण पर्व बड़े हर्ष उल्लास के साथ संपन्न होने पर मंदिर प्रबंधकारिणी समिति द्वारा सामूहिक क्षमा वाणी पर्व व स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष राजकुमार सेठी व सचिव जे के जैन ने बताया की यह कार्यक्रम पार्श्वनाथ पार्क में रविवार दिनांक 22 सितंबर को सायंकाल में आयोजित किया गया जिसमे बहुत बड़ी संख्या में समाज बंधुओ ने भाग लिया। संयुक्त सचिव महावीर जैन झागवाला ने बताया की प्रोग्राम साय 5 बजे से प्रारंभ हुआ ।कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि जितेन्द्र कुमार श्रीमती मीना जैन गौरव श्रीमती राखी वैभव श्रीमती पूजा जैन ने जिनेन्द्र भगवान के समक्ष दीप प्रज्वलित कर व जिनेन्द्र वंदना कर किया । इस अवसर पर सभी ने एक दूसरे से क्षमा याचना की आपस में कुशल क्षेम जानी , व पारंपरिक स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। दशलक्षण पर्व अति आनन्द व उत्साह के साथ संपन्न होने पर सभी कार्यकताओं का व खासतौर पर कार्यक्रम संयोजक रवि सेठी व सुभाष पाटनी का आभार व धन्यवाद प्रकट किया । भोजन की व्यवस्था राजेश बड़जात्या व सुरेंद्र मोदी के साथ अन्य सभी समाज बंधुओ ने संभाली ।सभी को सूर्यास्त से पूर्व भोजन कराया गया ।

घरेलू हिंसा की रोकथाम एवं महिला सुरक्षा हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया

जयपुर. शाबाश इंडिया

23 सितंबर 2024 को राजस्थान विश्वविद्यालय महिला संस्था, रूवा द्वारा संचालित महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र, पुलिस थाना अशोक नगर, जयपुर ने जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत कठपुतली नगर कच्ची बस्ती में स्थित आंगनबाड़ी के साथ मिलकर महिलाओं पर होने वाली घरेलू हिंसा की रोकथाम एवं महिला सुरक्षा हेतु एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में केंद्र की परामर्शदात्रीया श्रीमती शिमला गुप्ता व रितुबाला कुमावत द्वारा उपस्थित महिलाओं को घरेलू हिंसा के बारे में बताते हुए इसकी रोकथाम हेतु महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र के द्वारा की जाने वाली मदद के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्र द्वारा पीड़ित महिलाओं को निशुल्क काउंसलिंग, मेडिकल, अल्पावास गृह, बच्चे दिलवाना,पुलिस कार्यवाही एवं विधिक सहायता आदि दिलवाई जाती है। महिला घरेलू हिंसा से संबंधित विभिन्न कानूनो के बारे में बताते हुए घरेलू हिंसा से महिला सुरक्षा अधिनियम 2005 के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने महिलाओं को प्राथमिक स्तर पर परामर्श लेने की जानकारी दी, जिससे समस्या को जटिल होने से बचाया जा सके। कार्यक्रम में साइबर क्राइम की जानकारी देते हुए उनसे बचने के उपाय बताएं। महिलाएं अपने साथ होने वाली हिंसा को रोककर तनाव मुक्त हो सकती है तथा आत्मविश्वास प्राप्त

कर अपना जीवन यापन कर सकती है। साथ ही महिलाओं के साथ होने वाली हिंसा जैसे महिलाओं की शिक्षा,कन्या भ्रूण हत्या, छेड़छाड़, बाल विवाह, कार्यस्थल पर उत्पीडन, दहेज उत्पीड़न, पोक्सो आदि के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्र द्वारा महिलाओं की समस्याओं को गोपनीय रखा जाता है। उन्होंने बताया कि केंद्र द्वारा आने वाली महिला की समस्या को धैर्य पूर्वक सुनकर परामर्श के द्वारा तथा संबंधित पक्ष को केंद्र पर बुलाकर उनकी समझाइश कर उनकी समस्या का निवारण किया जाता है तथा उनका जीवन वापस खुशहाल बनाया जाता है। महिलाओं की सहमति से ही कार्यवाही की जाती है, जिससे महिला के प्रति समाज में सकारात्मक एवं सुरक्षात्मक वातावरण बन सके।

वर्तमान सामाजिक परिदृश्य:- कार्यकर्ता और सहनशीलता सतत प्रक्रिया

सामाजिक कार्यकर्ता एक व्यक्ति होता है। जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन और समाज सेवा के प्रति अपने समर्थन और समर्पण के साथ योगदान देता है। सर्वस्व अर्पण कर समाज की उन्नति,उत्थान,विकास, प्रगति व उन्नयन के लिए समर्पित व्यक्तित्व ही श्रेष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता होता है। समाज के प्लेटफार्म पर कार्य कर रहे लोगों को सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में पहचान मिलती है। ऐसे सामाजिक कार्यकताओं की सहनशीलता उत्कृष्ट होती है । यदि सहनशीलता सामाजिक कार्यकर्ता की कमजोर है तो वह अत्यधिक समय तक समाज के प्लेटफार्म पर कार्य नहीं कर पाता है। मेरा यह मानना है कि जो सामाजिक कार्य करता है उसमें सहनशीलता के साथ साथ सामंजस्य की योग्यता तो होती है। उन्हें निंदा का सामना करने एवं दूसरों के द्वारा क्रिटिसाइज करने के लिए भी तैयार रहना चाहिए। कहने का मतलब यह है कि जो सामाजिक कार्य करता है वह बुराई सुनने के लिए, स्वयं पर उंगली उठाने के लिए एवं हर समय समाज के अन्य लोगों जो (कोई कार्य नही करते) द्वारा टारगेट के लिए तैयार रहना चाहिए और वही सफल सामाजिक कार्यकर्ता हो सकता है। जो कि इन सब का सामना करने के लिए हर समय स्वयं को तैयार कर लेता है। वर्तमान परिस्थितियों में बड़ा व्यापक परिवर्तन आया है। समाज मे कार्यकताओं को प्रोत्साहन व पीठ थपथपाने का कार्य अब कम होने लगा है। अपितु उन्हें हतोत्साहित कर उनका मनोबल कमजोर करने का कार्य अनवरत किया जाता है। समाज के कुछ तत्व ऐसे कार्यकर्ताओं को हाशिये पर लाने की पुरजोर कोशिश करते हैं और कई बार सफल भी हो जाते हैं। थोड़ी सी निंदा से यदि वह सामाजिक कार्यकर्ता व्याकुल हो जाता है या उसका सामना करने के लिए तैयार हो जाता है। तो फिर दिशा में परिवर्तन आ जाता है और वह सामाजिक प्लेटफार्म से दूर होता चला जाता है। मैं यहां इतना ही कहना चाहता हूं की कुशल सामाजिक कार्यकर्ता में समर्पणभाव, सवेदनशीलता, सहानुभूति, संवाद कौशल, जागरूकता, सहयोगिता, नैतिकता, सक्रियता, संगठनात्मक क्षमता, विश्लेषण, चिन्तन, परानुभूति, आत्म नियंत्रण जैसे गुणों के साथ साथ अत्यधिक सहनशीलता का गुण स्वयं के अंदर विकसित कर लेना ही चाहिए यही बेहतर है। **-संजय जैन बड़जात्या कामां, क्षेत्रीय अध्यक्ष अपनाघर आश्रम**

धन की फिल्टर मशीन है दान: गुरुमां विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

परम पूज्य भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरुमां विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी राजस्थान की पावन धरा पर अद्वितीय द्वितीय चातुर्मास 2024 के अंतर्गत प्रतिक जैन सेठी ने बताया की आज की शांतिधारा करने का सौभाग्य संदीप सुराशाही महेश नगर जयपुर अमृतचंद्र जैन मानसरोवर जयपुर एवं कमल कुमार जैन दिल्ली सपरिवार ने प्राप्त किया। संघ की आहारचर्या करने का सौभाग्य शिमला मोटूका द्वारा संपन्न किया गया। निरंतर भक्तों का आवागमन इस क्षेत्र पर हो रहा है। अतिशयकारी श्री शांतिनाथ भगवान का चमत्कार दशों दिशाओं में पवन की तरह फैल रहा है। जोबनेर महिला मंडल ने क्षेत्र के दर्शनों का लाभ साथ ही पूज्य गुरु मां का आशीर्वाद भी उन्हें प्राप्त हुआ। पिपली समाज से युवक मंडल ने पदमपुरा पदयात्रा के दौरान क्षेत्र पर रात्रि विश्राम तत्पश्चात आगे प्रस्थान किया। उन्हें पूज्य गुरु मां का मंगल आशीर्वाद प्राप्त हुआ। सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ क्षेत्र का विकास निरंतर आप सबके सहयोग से बढ़ रहा है। सहस्त्रकूट जिनालय का भव्य निर्माण कार्य प्रारंभ हो चुका है। जिनालय निर्माण में एक शिला रखवा कर पुण्यार्जन करें। पूज्य माताजी ने मंदिर निर्माण का फल बताते हुए कहां कि-वट बीज के बराबर नव देवताओं के लिए जो दान दिया जाता है वह अक्षय पुण्य का साक्षी बनता है। यह पुण्य हमें सर्व सिद्धि दायक बनता है। अपनी पाप की कमाई को पुण्य रूप परिवर्तन करने हेतु दान फिल्टर मशीन का काम करता है।

200 अशक्त गोवंश को हराचारा अर्पण किया गया

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा समाजसेवी लायन राकेश पालीवाल के सहयोग से नागफानी स्थित आनंद गोपाल गऊशाला में 200 से अधिक अशक्त गोवंश को पोष्टिक हराचारा अर्पण किया गया। क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि लायन अतुल पाटनी के संयोजन में गोवंश को पोष्टिक हराचारा की सेवा दी गई। गऊ शाला के महाराज ने सभी क्लब सदस्यो को दिया अपना आशीर्वाद। इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी एवम लायन आशा राठी ने सेवा दी।

अहिंसाधर्म असमर्थों का धर्म नहीं है समर्थ वनों का है: मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज

25- 26 को दो दिवसीय राष्ट्रीय महिला अधिवेशन होगा, राष्ट्रीय अधिवेशन में देशभर से महिला महासमिति की होगी भागीदारी : विजय धुर्रा

सागर. शाबाश इंडिया

अहिंसा धर्म असमर्थों का नहीं है समर्थ ही अहिंसा धर्म को पाल सकते हैं जिसमें सब कुछ करने की ताकत है इसके वाद ही वह त्याग करके आगे बढ़ते हैं वे जैन धर्म के कठोर नियमो का पालन कर आगे बड़ते चलें जाते हैं तीर्थंकर वधर्मान चारित्र के धारी होते हैं वे उत्तरोत्तर तपस्या बढ़ते चले जाते हैं जव संयम में बढ़ सकतें हैं तो पाप भी कर सकते हैं जिसमें पापा करने की शक्ति होती है वहीं पुण्य करने का सामर्थ्य रखता है ताकत है फिर भी हम लोग गुस्सा नहीं करते साधु बस इसलिए नहीं करते क्योंकि मुझे मालूम है कि साधु को संक लेश हो जाये तो तुम्हारा नाश हो जायेगा साधु इस लिए साधु दुखी होता ही नहीं है उसने दीक्षा के दिन ही संकल्प लें लिया था संसार में सभी जीव मेरे मित्र हैं उक्त आश्य केउद्गार भाग्योदय तीर्थ सागर में धर्म सभा को सम्बोधित करते हुए मुनि पुंगव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए।

श्री दि जैन महासमिति के राष्ट्रीय अधिवेशन में होगी विशेष प्रस्तुतियां : विजय धुर्रा

सभा में मध्य प्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने कहा कि सागर में एक से बढ़कर एक कार्यक्रम हो रहे हैं इसी क्रम श्रमण संस्कृति महिला एवं श्री दिगम्बर जैन महा समिति का दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन सुधामय सभा मंडप में होगा जिसमें देशभर के महिला संगठन के साथ ही जैन समाज के भामाशाह परिवार से श्रीमति सुशीला पाटनी श्रीमति शांता पाटनी श्रीमति तारिक पाटनी के साथ ही दिल्ली से राष्ट्रीय अध्यक्ष मणीद्र जैन सम्मेलन में विशेष रूप से पधार रहे हैं । राष्ट्रीय अध्यक्ष शीला डोडिया, राष्ट्रीय महासचिव इन्दू गांधी के नेतृत्व में अधिवेशन की सभी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है सागर सहित सभी संगठनों से निवेदन है कि इस अधिवेशन में भाग लेकर मात्रि शक्ति की होंसला अफजाई करेंगे। अधिवेशन में परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के विशेष प्रवचन का लाभ भी हम सब को मिलेगा मुख्य समारोह रविवार को दोपहर एक बजे से सुधामय सभा मंडप में होगा।

जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति की गई

इसके पहले परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के सान्निध्य में जगत कल्याण की कामना के लिए महा शान्ति धारा की गई जिसका सौभाग्य सुनील कुमार अलवर हुक्म काका कोटा, सुमन दगड़ व्यावर ,आनंद जैन रामगंजमंडी सहित अन्य भक्तों को मिला जिनका सम्मान चातुर्मास कमेटी गौरव अध्यक्ष राजेंद्र जैन सुरेन्द्र कुमार बट्टू कार्याध्यक्ष राजेश एडवीना सर्वाध्यक्ष आशीष पटना महामंत्री राजकुमार मिनी मुख्य संयोजक ऋषभ बांदरी कोषाध्यक्षध सुरेन्द्र डवडेरा शिविर संयोजक साहिल डवडेरा प्रशांत जैन सानोधा अंकीत जैन नैता सहित अन्य प्रमुख जनो ने किया।

जव आप मित्र बनेंगे तब कहीं मित्रता का रास्ता मिलेगा

उन्होंने कहा कि जो दुश्मन अपने दुश्मन का बुरा विचारता है वह सही कह रहा है वस्तु स्वभावो धम्मों वस्तु का शुभाव्य है दुश्मन

पुराण में लिखा है कि दुश्मनी है तो सब धान रहकर आपको दुश्मनी रखनी ही पड़ेगी आपको पहले सामाने को मित्र बनाओ फिर उससे मैं उससे कह दूंगा कि ये तेरा स्वभाव नहीं है एक मां अपने बेटे को गोदी में लेकर राजा बेटा कहती हैं बिल्कुल सफेद झूठ बोल रही है उसको पता है कि वह राजा नहीं है यदि बेटा बाजार में जाकर कहने लगे तो मजाक बनकर रह जायेगा दुनिया में कहीं चले गए सब जगह मजाक ही बनेगा मां के पास बेटा पहुंच कर कहेगा फिर भी वह अपने बेटो राजा बेटा ही कहेगी ऐसे ही जिनवाणी है जो अपने बेटे को राजा बेटा कह रही है।

सामाजिक सरोकार के अंतर्गत दी गई सेवा से 100 परिवार लाभान्वित

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर आस्था के लायन अतुल पाटनी एवम आस्था वुमन फाउंडेशन की मोनिका डिडवानिया के सहयोग से कोटडा क्षेत्र के स्लम एरिया में झोपडो एवम अस्थाई टेंट में रह कर जीवन व्यतीत कर रहे व्यक्तियों विशेषकर बच्चो के मध्य मिष्ठान का वितरण किया गया। क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि मानव अधिकार परिषद के अध्यक्ष एवम सामाजिक कार्यकर्ता श्री शैलेश गुप्ता के नेतृत्व में सामाजिक सरोकार के अंतर्गत दी गई मिष्ठान की सेवा से 100 अधिक परिवार लाभान्वित हुए सेवा पाकर सभी ने खुशी का इजहार किया।

जैन गजट के गणाचार्य श्री विरागसागर जी महाराज विनयांजलि विशेषांक का हुआ विमोचन

लखनऊ. शाबाश इंडिया

महासभा से प्रकाशित शताधिक वर्ष प्राचीन जैन गजट साप्ताहिक के गणाचार्य श्री विरागसागर जी महाराज विनयांजलि विशेषांक का विमोचन 22 सितम्बर 2024 को आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज के प्रभावक शिष्य परम पूज्य मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज, परम पूज्य मुनि श्री प्रणतसागर जी महाराज के सानिध्य में श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सआदतगंज लखनऊ में किया गया। इस मौके पर जैन गजट के सह संपादक डॉ सुनील जैन संचय ललितपुर ने बताया कि जैन गजट 1895 से लगातार समाज और संस्कृति की सेवा में संलग्न है। इस विशेषांक का प्रकाशन मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज की प्रेरणा से किया गया है। श्री प्रदीप पाटनी लखनऊ ने जैन गजट के आगामी 28 अप्रैल 2025 को आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज विशेषांक के रूप में प्रकाशित करने की घोषणा की ।यह विशेषांक भी मुनि श्री सुप्रभसागर जी महाराज की प्रेरणा से प्रकाशित किया जाएगा। विशेषांक का विमोचन डॉ श्रेयांस कुमार जैन बडौत, डॉ शीतल चंद्र जैन जयपुर, प्रोफेसर फूलचंद्र प्रेमी वाराणसी, डॉ नरेंद्र जैन टीकमगढ़, प्रोफेसर विजय कुमार जैन दिल्ली,पंडित विनोद कुमार जैन रजवांस, डॉ सुरेंद्र जैन भारती बुरहानपुर,डॉ सुनील जैन संचय ललितपुर, डॉ सनत जैन जयपुर, डॉ ज्योति जैन खतौली, डॉ राका जैन, पंडित सुनील जैन सुधाकर सागर, डॉ पंकज जैन इंदौर, डॉ आशीष जैन दमोह, पंडित अनिल जैन शास्त्री सागर, पंडित अखिलेश शास्त्री रामगडा, वर्षायोग समिति के अध्यक्ष हंसराज जैन, कार्याध्यक्ष जागेश जैन, संयोजक संजीव जैन, सआदतगंज जैन मंदिर के अध्यक्ष वीरेंद्र गंगवाल, विनय जैन, महासभा से प्रदीप पाटनी, कमल रावका आदि ने किया।

शांतिनाथ जिनालय महिला मंडल द्वारा क्षमावाणी पर्व मनाया

मनीष पाटनी. शाबाश इंडिया

अजमेर। शांतिनाथ जिनालय महिला मंडल द्वारा क्षमावाणी पर्व बड़े उत्साह के साथ मनाया गयो मंत्री रेणु पाटनी ने बताया कि होस्ट शशि गंगवाल के निवास स्थान पर णमोकार मंत्र के पाठ से शुरूआत की गई फिर भक्तामर स्तोत्र का पाठ किया और आदिनाथ मंगलाष्टक बोला गया, भजन किए गए, भजन की प्रस्तुति साधना दनगसिय, अनामिका सुरलाया, चिन्ता मणि गोधा, निशा बाकलीवाल, सुषमा पाटनी द्वारा की गई, पांच उपवास रेनू पाटनी द्वारा किए गए ,तीन उपवास मंजू छाबड़ा द्वारा किए गए उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया गया और बाद में गेम खिलाए गए जिसमें अनामिका सुलाया प्रथम स्थान प्राप्त किया, दितीय स्थान पर ऊषा सेठी, तृतीय स्थान पर रानी पाटनी रही , शशि गंगवाल ने सभी का माला पहनाकर स्वागत किया, इंदिरा कासलीवाल, मंजू पाटनी, मनोरमा सुरलाया ,साधना पाटनी नीना पाटनी, रेणु सोगानी ,शांता पाटनी, मुन्नी सौगानी, नीरू सौगानी, अनिता जैन, निशा पाटनी मौजूद रही और अंत में स्वादिष्ट भोजन का लुफ्त उठाया और शशि गंगवाल महेश गंगवाल सुयोग गंगवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

बेटियों का हाथ मिला हमें जीवन भर का साथ...

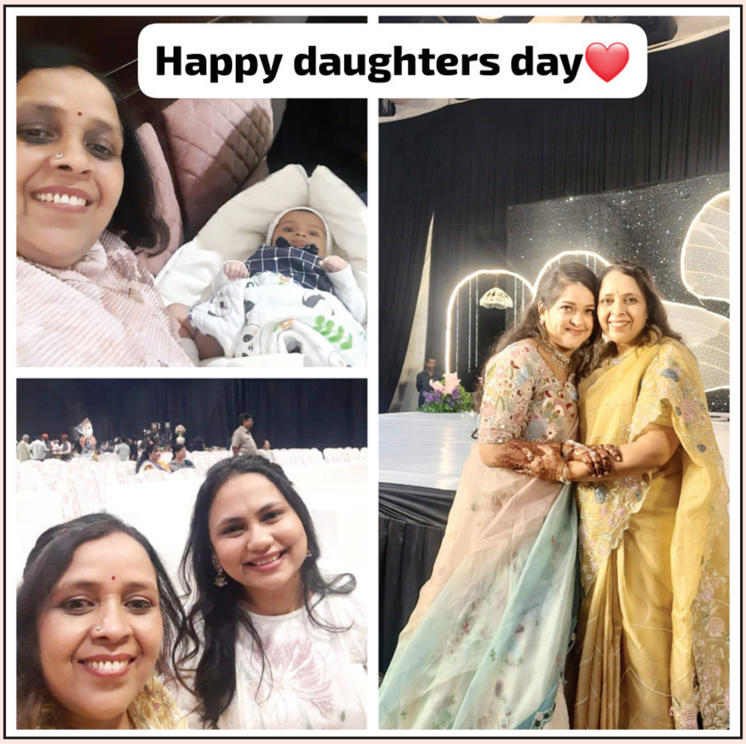

हर दिल में प्रेम उमड़े मिली हमें प्यारी सी सौगात,,,
दुख दर्द में हमेशा सुनती हमारी हर बात,,,
दिल की गहराइयों को सुकून देती
जैसे रिमझिम करती आई बरसात,,,
सारे जहां की खुशियां बटोर लाती जब होती बेटियों से मुलाकात,,,
मां के दर्द को समझती पिता की होती लाडली,,,
मायका और ससुराल दो आंगन को सवांरती,,,
दुख और सुख में भी प्रेम से होती समर्पित,,,
खुशियां लाती बेटियां करती पायल की झंकार,,,
उछलती कुदती आती जैसे बहती पवन बहार,,,
बेटियों से ही घर-घर है और उनसे ही है हर त्यौहार,,,
बहू बेटियों से ही तो खिल उठता है हमारा आंगन और परिवार,,,
ज्योति छाबड़ा, सी स्कीम-जयपुर

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटील से भन्साली, मरोठी व डाँगी ने की मुलाकात व महावीर प्रवाह का अंक किया भेंट

सूरत. शाबाश इंडिया। गुजरात प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटील से रविवार 22 सितम्बर 2024 को सूरत के होटल ला मेरिडियन में महावीर इंटरनेशनल अपेक्स के अंतर्गत रिजन-8 के इंटरनेशनल वाइस प्रेसिडेंट वीर गणपत भन्साली, मेम्बरशिप एंड सेंटर डेवलोपमेन्ट विभाग के इंटरनेशनल डायरेक्टर वीर सुरेन्द्र मरोठी व यूथ डेवलोपमेन्ट विभाग के इंटरनेशनल डायरेक्टर वीर सन्दीप डांगी ने मुलाकात की व उन्हें 'महावीर प्रवाह' की नवीनतम प्रति व संगठन की स्वर्ण जयंती पर प्रकाशित पुस्तक भेंट की। वीर सुरेन्द्र मरोठी ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री पाटील साहब को अवगत कराया कि कुछ वर्ष पूर्व सूरत में पर्यावरण सुरक्षा व जल सरंक्षण विषय पर एक ऑनलाइन मीटिंग आयोजित हुई थी।

शब्दकार ने दिनकर की जयंती मनायी

कोलकाता. शाबाश इंडिया

कोलकाता महानगर की सामाजिक व साहित्यिक संस्था शब्दकार ने हिन्दी पखवाड़ा व जनकवि रामधारी सिंह 'दिनकर 'की जयंती रिसडा असेंबली ऑफ लिटिल वर्डस हायर सेकेंडरी स्कूल में पालन किया गया। हिन्दी पखवाड़ा केअवसर पर हिन्दी के वरिष्ठ शिक्षक कालिका प्रसाद उपाध्याय 'अशेष 'ने कहा कि मेरा निजी तजुर्बा है कि हिन्दी बहुत समर्थ भाषा। है और यह सबको समर्थ बना देती हैं। मौके पर उपस्थित हाजीनगर आदर्श हिन्दी बालिका विद्यालय की प्रभारी शिक्षिका सिपाली गुप्ता ने कहा कि अब तो हिन्दी के साथ दूसरी भारतीय भाषाओं और बोलियों का भी जलवा कायम हो रहा है। इसलिए हिन्दी बहुत ही समर्थ भाषा है।तीन श्रेष्ठ रचनाकारों को सम्मानित भी किया गया। राम अवतार सिंह, नन्दू बिहारी तथा श्वेता गुप्ता 'श्वेतांबरी 'को शॉल, माला, लेखनी और डायरी प्रदान किया गया। कार्यक्रम में पधारे हुए कविगण डॉ शाहिद फरोगी, विजय इसर'वतस' ,रूपम महतो, गौरीशंकर दास,डॉ मनोज मिश्र, अशोक कुमार पाण्डेय, प्रकाश कुमार त्रिपाठी, आदित्य त्रिपाठी, कविता साव, मुन्नी साव, मोहन चतुवेर्दी 'बैरागी',डॉ शिव प्रकाश दास, चन्द्र भानु गुप्त 'मानव',धर्म देव सिंह ,नश्तर शहूदी, जफर रायपुरी, फिरोज मिर्जा, मुरली चौधरी, रीमा पाण्डेय, राम सिंहासन चौधरी एवं सुन्दर लाल ने दिनकर की जयंती पर भावपूर्ण कविताएं सुनाकर वाहवाही बटोरीं। समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ गीतकार चन्द्रिका प्रसाद पाण्डेय 'अनुरागी ',मुख्य अतिथि टी एन सिंह, विशिष्ट अतिथि राम पुकार सिंह 'पुकार गाजीपुरी ',सुरेश चन्द्र गुप्त मंच की शोभा बढायी। कार्यक्रम का सफल संचालन संस्थापक प्रदीप कुमार धानुक व धन्यवाद ज्ञापन प्रीति धानुक ने किया।

प्रेमी भक्त को ढूंढते है भगवान, बिन मांगे भक्ति करो सब कुछ दे देंगे भगवानः राजन महाराज

श्रीराम कथा महोत्सव के तीसरे दिन श्रीराम जन्मोत्सव प्रसंग सुनने उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। भगवान निराकार है भक्त उसकी जिस रूप में कल्पना करता है वह उसी में साकार हो जाते है। ज्ञान व बैराग से भगवान मिलेंगे या नहीं ये तो पता नहीं पर भक्ति व प्रेम के वश में भगवान जरूर होते है। ज्ञानी, जिज्ञासु, अथार्थी व आर्द भाव रखने वाले भगवान को पाने की कोशिश में रहते जबकि भगवान उस भक्त को ढूंढते है जो उसका प्रेमी होता है। भगवान अपने भक्त की हर कामना पूर्ण करते है। ये विचार ख्यातनाम कथावाचक पूज्य राजन महाराज ने श्रीसंकट मोचन हनुमान मंदिर ट्रस्ट एवं श्री रामकथा सेवा समिति भीलवाड़ा के तत्वावधान में नगर निगम के चित्रकूटधाम में आयोजित नौ दिवसीय श्री रामकथा महोत्सव के तीसरे दिन कथावाचन के दौरान व्यक्त किए। संकटमोचन हनुमान मंदिर के महन्त बाबूगिरीजी महाराज के सानिध्य में आयोजित कथा में तीसरे दिन श्रीराम जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर मंच एवं पांडाल में विशेष सजावट भी की गई। राम जन्मोत्सव प्रसंग सुनने के लिए धर्मनगरी भीलवाड़ा के भक्तगण उमड़ पड़े एवं जिसे जहां जगह मिली वहीं बैठ भक्तिभाव से कथाश्रवण करता दिखा। राजन महाराज ने कहा कि हमने अपने घर में भगवान की मूर्ति तो लगा रखी पर उसे परिवार का अंग नहीं मानते है। जिस दिन उसे मूर्ति की बजाय परिवार का सदस्य मान लेंगे उस दिन भक्ति प्रारंभ हो जाएगी। उसके लिए परिवार के सदस्य की तरह ही व्यवहार होगा तो हमारा जीवन ही बदल जाएगा। भगवान से कुछ भी मांगने की जरूरत नहीं होती बस उसकी भावों के साथ मन से भक्ति करते रहे बिना मांगे ही सब कुछ मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि श्रीरामकथा का श्रवण करने से जीवन का कल्याण होता है। प्रभु की तरह प्रभु की कथा भी अनंत है। भक्तों के प्रेम के कारण ही निर्गुण भगवान सगुण होते है। महाराजश्री ने कहा कि भगवान की सेवा जीव भाव से करनी चाहिए। भगवान के प्रति सेवा की भावना नहीं होने पर अपेक्षा पूरी नहीं होगी। भगवान तुम्हारी हर बात मानेंगे बस प्रेम व भक्ति शबरीबाई व निषादराज जैसी होनी चाहिए। भगवत प्रेम के अलावा भगवान से कोई अपेक्षा मत करों। उन्होंने कहा कि कथा सुनने के लिए सब पात्र नहीं होते है। जिसकी प्रकृति अतिप्यारी होती है वहीं इसका श्रवण कर पाते है। जिस प्रकार के दृश्य देखेंगे वैसी ही चेतना का निर्माण होगा। जैसी हमारी चेतना होगी वैसा ही हमारा व्यवहार होगा। जो जीवन में जितना सहज रहता है वह उतने ही आनंद की प्राप्ति करता है। शरीर से नहीं मन से भी शांत रहना सीखे। भगवान के नाम स्मरण करने से मन शांत होता है। कथा के दौरान मंच पर हाथीभाटा आश्रम के महंत संतदासजी महाराज, सांगानेर स्थित गोपालद्वारा के महन्त गोपालदासजी महाराज, पंचमुखी बालाजी मंदिर रीको के महन्त जमनादासजी महाराज, हरिशेवाधाम के गोविन्दरामजी, मुरारी पांडे, ओम साई राम आदि भी विराजित थे। राजन महाराज के व्यास पीठ पर विराजने के बाद आरती करने वालों में मुख्य जजमान श्री गोपाल राठी, मनोज शर्मा गोटेवाला, राजेश पलोड़, रामेश्वरलाल ईनाणी, फतहलाल जैथलिया, पुरूषोत्तम जैथलिया, रामकुंवारजी बाहेती, मधुबाला महाजन, मदनलाल पारीक आदि शामिल थे। शाम की आरती करने वालों में भगवानदास नथरानी, पुरूषोत्तम नथरानी, रामेश्वरलाल काबरा, घनश्याम माणम्या, राधादेवी भूतड़ा, निखिल शर्मा एवं बबिताजी (अमरीका), मनोज टिबरीवाल, गोपाल विजयवर्गीय, हेमन्त गर्ग, श्याम ओझा, पार्षद सागर माली, नगर निगम अधिकारी हरिनारायण माली, अर्चना सोनी, लीला राठी, पुष्पा मेहता, ममता शर्मा, योगिता सुराणा, पिंकी सोनी आदि भक्तगण शामिल थे। विश्राम स्थल से कथास्थल तक रामचरित मानस की पोथी लाने-ले जाने वाले यजमान में राजेश बाहेती, संजय बाहेती, वेदान्त बाहेती, श्रीधर बाहेती, केसी प्रहलादका, रामेश्वरलाल काबरा परिवार शामिल थे। अतिथियों का स्वागत श्रीरामकथा सेवा समिति के अध्यक्ष गजानंद बजाज, सरंक्षक राधेश्याम सोमानी, महासचिव पीयूष डाड, कोषाध्यक्ष सीए दिलीप गोयल, कृष्णकुमार बंसल, मंजू पोखरना, डॉ. उमाशंकर पारीक, एडवोकेट हेमेंद्र शर्मा, दुगार्लाल सोनी, रमेश बंसल, प्रहलादराय सोनी आदि ने किया। मंच का संचालन पंडित अशोक व्यास ने किया।

वार्षिक मेले एवं सामुहिक क्षमावाणी का हुआ आयोजन

अमन जैन कोटखावदा. शाबाश इंडिया

कोटखावदा। श्री पारसनाथ दिगम्बर जैन मंदिर रूपाहेडी कलां में दो दिवसीय धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। प्रातः मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ की शांतिधारा के बाद शांतिनाथ मण्डल विधान पूजन का संगीतमय आयोजन हुआ। सुरेश पापडीवाल व संजय पाटनी ने बताया कि विधान मण्डल के दौरान भजनों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। सायं काल गाजे बाजे से श्री जी को नगर भ्रमण कराया गया। नगर भ्रमण के बाद श्री जी को मंदिर जी में अपने यथास्थान पर जयकारों के साथ विराजमान कर महाआरती कर सामूहिक क्षमावाणी पर्व मनाया धार्मिक कार्यक्रम के बाद बाहर से पधारे समाज बंधुओं का वात्सल्य भोज का भी आयोजन रखा गया।

श्री मुनिसुव्रतनाथ युवा मंडल, महिला मंडल जीव दया कमेटी और प्रबंधनकारिणी कमेटी के सदस्यों द्वारा सामूहिक क्षमावणी का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री मुनिसुव्रतनाथ युवा मंडल, महिला मंडल जीव दया कमेटी और प्रबंधनकारिणी कमेटी के सदस्यों, कार्यकर्ताओं ने परिजनों के साथ मिलकर सामूहिक क्षमा याचना किया। समिति समन्वयक अभिषेक सांघी ने कहा कि दस लक्षण पर्व पर विशेष योगदान प्रदान करने वाले सभी कार्यकर्तागण और श्रेष्ठिगण को सम्मानित किया गया। उत्तम क्षमा, मिच्छामि दुक्कडम, खमत खामणा सरीखी भावना के साथ एक दूसरे एवं संसार के समस्त प्राणियों के प्रति उत्कृष्ट क्षमा भाव व्यक्त किया। इस दौरान डॉ आशीष पायल जैन, अरुण प्रभा सेठी, दीपक रितु बोहरा, नवीन रितु बड़जात्या, मैंना गंगवाल, रवि मोना जैन, नेम इन्दु कोडीवाल, आयुष, नमन, धीरेंद्र, पिंकल शिव कुमार, अनूप सुलोचना बैनाडा, विकास पांड्या, अशोक आदि उपस्थित रहे।

अर्हम योग प्रणेता मुनि 108 श्री प्रणम्य सागरजी महाराज का ससंग त्रिवेणी नगर में भव्य मंगल प्रवेश हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया

परम पूज्य संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि 108 श्री प्रणम्य सागरजी महाराज ससंघ सोमवार को दोपहर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर त्रिवेणी नगर में मंगल प्रवेश हुआ । नरेश कासलीवाल ने बताया कि इससे पूर्व ससंघ दिगंबर जैन मंदिर शान्तिनगर दुर्गापुरा से विहार कर बिरला हॉस्पिटल पर पहुचा जहां से भव्य जुलूस के रूप में मंदिर लाया गया जहाँ मार्ग में जगह- जगह महाराज का पाद प्रक्षालन किया गया। जुलूस में महिला मंडल की सदस्या सिर पर मंगल कलश लेकर चल रही थी। मंगल प्रवेश के मौके पर मंदिर समिति के अध्यक्ष महेन्द्र काला, मन्त्री रजनीश अजमेरा, कोषाध्यक्ष राकेश छाबड़ा, अशोक पाटोदी, मीरा मार्ग मंदिर के अध्यक्ष सुशील पहाड़िया, मंत्री राजेंद्र सेठी, विनोद कोटखावदा, प्रदीप जैन, सचिन काला, कैलाश सौगानी, लोकेश जैन, नरेंद्र कुमार सेठी, प्रवीण पांडया, अरिहंत जैन, महावीर कासलीवाल, सुरेश सेठ, सुभाष काला, अंकुर पाटोदी, पुष्पेन्द्र अजमेरा, राजेन्द्र पाटनी, एम के जैन, कमल चांदवाड, हीरा जैन, विमल छाबड़ा, देवेंद्र कासलीवाल, नितिन, नितेश छाबड़ा, सुशील बड़जात्या, सुनील लुहाड़िया, अशोक अजमेरा, विनोद अजमेरा, राजेश णमोकार,अजय, राजकुमार, विजय पांड्या महिला मंडल की अध्यक्ष सन्तोष सौगानी, मंत्री शिमला पापड़ीवाल, बबीता लुहाड़िया, वंदना अजमेरा, मैना पाटनी, मृदुला काला सहित बड़ी संख्या में समाज बन्धु उपस्थित थे। कार्यक्रम में पाद प्रक्षालन करने के बाद अर्हम योग प्रणेता प्रणम्य सागरजी महाराज श्री ने अपना मंगल उद्बोधन दिया। मंगलवार को प्रातः महाराज श्री के 8:30 बजे सेंट्रल पार्क त्रिवेणी नगर मे मंगल प्रवचन होंगें।

नरेश कासलीवाल
अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन परिषद राज. प्रांत के मीडिया प्रभारी

क्षमावाणी के साथ हुआ समयसारोपासक साधना संस्कार शिविर का समापन

लखनऊ। पर्वराज पर्युषण महापर्व के सुअवसर पर चर्या शिरोमणि आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज के मंगलशुभाशीष से परम पूज्य मुनि श्री सुप्रभसागरजी महाराज, मुनि श्री प्रणतसागर जी महाराज के सानिन्ध्य में 08 सितम्बर से 17 सितम्बर 2024 तक उत्तरप्रदेश की राजधानी लखनऊ में भव्य समयसारोपासक साधना संस्कार शिविर का आयोजन पहली बार सम्पन्न हुआ। जिसमें लगभग 250-300 महिला-पुरुष शिविरार्थियों ने संयम, तप, त्याग की साधना दसलक्षण पर्व के इन दस दिनों में पूर्ण की। शिविर में प्रातः काल 4.30 बजे से ही जहाँ शारीरिक स्वास्थ्य के लिये योगाचार्य राजेश जैन, नाशिक (महा.) ने योगविधा प्रदान की तो वहीं मुनि श्री ने मानसिक एवं आत्मिक स्वास्थ्य के लिए ध्यान के माध्यम से जीवन जीने की विधि सिखाई। प्रभू भक्ति, पर्व, प्रवचन आदि के द्वारा पूज्य मुनि श्री ने जीवन की उत्कृष्टता के अनेक आयाम श्रावकों को दिये। तत्वार्थसूत्र विवेचन, जैनिस्टक साइंस (वीतरागविज्ञान) से जैन-आगम गूढ़ रहस्य उद्घाटित किये। पर्वराज दसलक्षण का विवेचन करते हुए मुनि श्री सुप्रभसागरजी ने कहा कि जो आत्मा को आत्मा से जुड़ने का मार्ग प्रदान करे, वह पर्व है और पर्वों में भी श्रेष्ठ पर्व, जो आत्मा को चारों ओर से तप, साधना की उष्णता प्रदान करते हुए जो आत्मा की कर्मों के से मुक्ति का मार्ग दिखाये, वही पर्वराज पर्युषण है।

झोटवाड़ा जैन समाज ने मनाया सामूहिक क्षमावाणी समारोह एवम गोठ

जयपुर. शाबाश इंडिया। झोटवाड़ा जैन समाज ने मनाया सामूहिक क्षमावाणी समारोह एवम गोठ का आयोजन किया गया। समाज अध्यक्ष धीरज कुमार पाटनी ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर झोटवाड़ा में समाज की सामूहिक गोठ के साथ-साथ क्षमावाणी मिलन समारोह हनुमान वाटिका में मनाया गया। मंत्री दिनेश काला ने बताया कि भोजन के पश्चात 108 दीपको से संगीतमय भक्ति भाव के साथ महाआरती की गई तथा प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान छगनलाल विजय बडजात्या, शशि बाला पारस सोगानी सुमन प्रभा लवलेश बडजात्या परिवार द्वारा किया गया। नवयुवक मंडल के अध्यक्ष विक्रम गंगवाल एवं मंत्री मनीष बज ने बताया कि कार्यक्रम के अंत में आकर्षण पांच पुरस्कार लकी ड्रा द्वारा निकाला गया। इस अवसर पर अशोक गंगवाल,विरेंद्र काला, अंजन जैन,संजय काला जोबनेर, प्रवीण गंगवाल,राकेश रावका, विजय सोगानी,विनोद पाटनी निर्मल पांड्या, प्रमोद छाबड़ा, अशोक बज, सुगन पापड़िवाल, महेश बांछल,संजय काला दूध वाला, जितेंद्र शाह,दीपक सेठी, कमल गंगवाल, कालू जैन, प्रदीप छाबड़ा, अमित पांड्या आदि श्रेष्ठी गण उपस्थित रहे।

24 Sep

आदिनाथ मित्र मंडल के अध्यक्ष

श्रीमान सुनील जी जैन

शुभेच्छुः सुरेश कासलीवाल, राकेश गोदिका, साकेत जैन, अनिल जैन, अशोक सेठी, मुकेश जैन, राजेंद्र बाकलीवाल, संजय जैन ''आवा'', विमल पांड्या एवं समस्त सदस्य आदिनाथ मित्र मंडल, जयपुर

जिनवाणी JINVANI

राजस्थान प्रांत की राजधानी जयपुर के नेमी सागर कॉलोनी में

दशलक्षण महापर्व के समापन पर

17 सितम्बर 2024 को आयोजित हुए मांगलिक कार्यक्रम

उत्तम ब्रह्मचर्य विधान पूजा

तत्वार्थ सूत्र ग्रंथ स्वाध्याय

अनन्त चतुर्दशी कलशाभिषेक-शांतिधारा

महाआरती एवं

रिद्धि सिद्धि मंत्रों से युक्त संगीतमय श्री भक्तामर

मण्डल विधान

विधानाचार्य-प्राचार्य सतीश कुमार जैन

स्थान- श्री 1008 नेमीनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, नेमीसागर कॉलोनी, जयपुर (राज.)

संगीतकार- श्री नरेन्द्र जैन (वॉयस ऑफ पिंक सिटी)

-:आयोजक:-

श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति, नेमीसागर कॉलोनी, जयपुर

देखिए- इन मांगलिक कार्यक्रमों के पावन दृश्य

24 सितम्बर 2024 सायं-07:00 बजे

सिर्फ जिनवाणी चैनल पर।

इस कार्यक्रम के प्रसारण पुण्यार्जक

श्रीमती संतोष देवी जी बाकलीवाल धर्मपत्नी स्व. श्री अजय कुमार जी बाकलीवाल

पुत्र एवं पुत्रवधु- श्री अमित - श्रीमती नीलम, सुमित - निधि, आशीष - श्वेता

पौत्र एवं पौत्री- अतिन, विराज, कियान, नव्या, साध्या एवं कियारा

निवासी- जयपुर (राजस्थान) एवं दीमापुर (नागालैंड)

फर्म- अजय एवं हंस एनर्जी स्टेशन, जयपुर, अजय ऑटो एजेंसी, दीमापुर

CHANNEL NO. TATA PLAY 1066

CHANNEL NO. d2h 1219

CHANNEL NO. airtel digital TV 676

CHANNEL NO. dishtv 1105

CHANNEL NO. SUN DIRECT 617

Download Our App Jinvani Channel

GET IT ON Google Play

Download on the App Store

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने चक्रधर प्रभु व भगवान गोविन्द प्रभु की पूजा कर राष्ट्र और राज्य की समृद्धि और खुशहाली की कामना की

चक्रधर स्वामी जी और गोविन्द प्रभु जी ने समाज में फैली कुरूतियों को दूर कर रूढियों के बंधन से मुक्त किया: राज्यपाल बागडे

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे सोमवार को राजापार्क स्थित गोपाल मंदिर पहुंचे और उन्होंने वहां चक्रधर प्रभु जी व भगवान गोविन्द प्रभु जी महाराज की पूजा अर्चना कर उनसे राष्ट्र और राज्य की समृद्धि और खुशहाली की कामना की। बागडे ने बाद में कहा कि चक्रधर स्वामी और गोविन्द प्रभु जी महाराज के अवतार उत्सव पर उनकी दी हुई शिक्षाओं से हमें प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि संतों के जीवन आदर्श जीवन जीने की सीख देते हैं। चक्रधर स्वामी जी और गोविन्द प्रभु जी महाराज ने समाज में फैली कुरूतियों को दूर कर रूढियों के बंधन से मुक्त किया। सर्वज्ञ चक्रधर स्वामी जी के जीवन और आदर्शों की चर्चा करते हुए राज्यपाल बागडे ने कहा कि वह वैष्णवाद परंपरा के प्रमुख प्रतिपादक ही नहीं थे बल्कि जाति,धर्म भेद से परे उन्होंने मानवता के धर्म को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने कहा कि चक्रधर स्वामी ने ''महानुभव पंथ'' की स्थापना की और इसके जरिए से समाज के सभी वर्गों को जोड़ने का काम किया। बागडे ने कहा कि भगवान चक्रधर स्वामी मराठी भाषा के जन्मदाता माने जाते हैं। कवयित्री महदंबा उनकी शिष्या थीं। मराठी के आद्यग्रंथ लीलाचरित्र में चक्रधर स्वामी की जीवनी समाविष्ट है। राज्यपाल ने कहा कि ''महानुभव पंथ'' में पांच कृष्णो के विचार प्रमुख हैं। यह पांच कृष्ण, दत्तात्रेय प्रभु, चक्रपाणि, गोविन्दा प्रभु और स्वयं चक्रधर स्वामी। उन्होंने कहा कि चक्रधर स्वामी जन-जन से जुड़े आलोक-पुरूष थे। उन्होंने जनता में एकता और समभाव का संदेश दिया। चक्रधर स्वामी ने अपने उपदेश मराठी भाषा में ही दिए। संक्षिप्त शैली में उनके सूत्र अर्थपूर्ण हैं। जीवन के मर्म को समझने वाले हैं। उन्होंने चक्रधर स्वामी की चार प्रमुख शिक्षाओं - अहिंसा, तप, ब्रह्मचर्य और भक्ति की चर्चा की। बागडे ने कहा कि गोविन्दा प्रभु भी महान समाज सुधारक थे। उन्होंने छुआछूत, जात-पात के भेद से समाज को मुक्त किया। आरंभ में उनका बहुत विरोध हुआ परंतु उन्होंने इसकी परवाह नहीं की संत ऐसे ही होते हैं। संतों की राह पर चलकर ही हम अपना और राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं।

राज्यपाल ने कहा, भारतवंशी भारतीय संस्कृति के सच्चे संवाहक, जहां–जहां भारतवंशी गए, वहां का विकास किया: राज्यपाल

जयपुर. कासं

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि जहां जहां भारतवंशी गए हैं, उस देश के विकास में अपना योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि भारतवंशियों ने अपनी परंपरागत विशेषताओं को स्थानीय सांस्कृतिक धारा में सम्मिलित करके विदेशी राष्ट्रों को समृद्ध किया है। बागडे सोमवार को राजभवन से कनाडा में आयोजित 'विदेश में भारतवंशी संस्कृति' विषयक वेबिनार में संबोधित कर रहे थे। बागडे ने इस दौरान कहा कि भारतवंशी जहां–जहां बसे हैं, वहाँ के राष्ट्रीय एवं सामाजिक जीवन में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने राजस्थान के उन लोगों को भी स्मरण किया जिन्होंने विदेशों में जाकर राज्य व देश का नाम रोशन किया है। राज्यपाल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 'गुरूजी' का स्मरण करते हुए कहा कि वह कहा करते थे, 'यह संपूर्ण विश्व मेरा घर है।' उन्होंने कहा कि गुरूजी यह बात इसीलिए कहते थे कि भारतवंशी कहीं भी जाते हैं तो उस देश को अपना घर मानकर वहां के विकास के लिए कार्य करते हैं। उन्होंने भारतीय ज्ञान परम्परा की भी इस दौरान विशेष चर्चा की तथा कहा कि आचार्य कणाद ने सबसे पहले परमाणु संरचना पर विश्वभर में प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शून्य एवं दशमलव की खोज भारत में ही हुई। इस खोज ने ही विश्वभर में गणितीय जटिलताओं को खत्म किया है। उन्होंने जगदीशचन्द्र बसु द्वारा 'माइक्रोवेव', 'बायोफिजिक्स' और 'प्लांट न्यूरोबायोलॉजी' के प्रवर्तक रहने और आचार्य प्रफुल्ल चंद्र रे द्वारा 'हिंदू रसायन विज्ञान के इतिहास' आदि की चर्चा करते हुए कहा कि भारतीय विज्ञान आरंभ से ही समृद्ध रहा है। इसने विश्वभर को विकास की प्रेरणा दी।